mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-230 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
20 अगस्त 2026 गुरुवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

: ब्रीफ बॉक्स :

## सूरत में रेस्टोरेंट के खाने से बच्ची की मौत

परिवार के 4 लोग अस्पताल में भर्ती

**सूरत,एजेंसी।** गुजरात के सूरत में रेस्टोरेंट का खाना खाने के बाद 5 साल की बच्ची आर्या की मौत हो गई। परिवार के चार अन्य सदस्यों को भी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें आर्या के पिता अशोकभाई, मां और दो बहनें शामिल हैं। परिवार ने 15 अगस्त की शाम शहर के शीतल रेस्टोरेंट से काजू-पनीर समेत खाना मंगाया था। इसके बाद सभी की तबीयत बिगड़ने लगी। डॉक्टरों ने परिवार के सदस्यों में फूड पॉइजनिंग की पुष्टि की है।

**इमरजेंसी में पहुंचने के 15 मिनट बाद आर्या की मौत:** आर्या का परिवार सूरत की रानुजाधाम सोसायटी में रहता है। परिवार के मुताबिक, 16 अगस्त की सुबह करीब 4 बजे अशोकभाई कलसारिया और उनकी एक बेटी को तेज पेट दर्द हुआ। सुबह करीब 9 बजे दोनों ने स्थानीय क्लीनिक में इलाज कराया। कुछ देर बाद परिवार के बाकी सदस्यों की तबीयत भी खराब हो गई। इसके बाद परिवार के सभी पांच सदस्यों को सद्विचार अस्पताल ले जाया गया।

परिवार के मुताबिक, अस्पताल की इमरजेंसी में पहुंचने के 15 से 20 मिनट बाद 5 साल की आर्या की मौत हो गई। आर्या के पिता अशोकभाई, उनकी पत्नी और दो बेटियों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के मुताबिक, उनकी हालत स्थिर है।

## बच्चों को संपत्ति से बेदखल कर सकते हैं माता-पिता

सुप्रीम कोर्ट का आदेश; कहा- उन्हें सम्मान और सुरक्षा देना सभ्य समाज की पहचान

**नई दिल्ली,एजेंसी।** सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि सीनियर सिटीजन्स अपने बच्चों को संपत्ति से बेदखल कर सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि बढ़ती उम्र का मतलब असुरक्षा या अपमान नहीं होना चाहिए। हर व्यक्ति को जीवनभर गरिमा के साथ जीने का अधिकार है।

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को भी पलट दिया, जिसमें बेटे और बहू को मकान से बेदखल करने के ट्रिब्यूनल कोर्ट के आदेश को रद्द किया गया था। कोर्ट ने कहा कि बुजुर्गों की गरिमा के लिए ट्रिब्यूनल के पास बच्चों को संपत्ति से निकालने का आदेश देने का अधिकार है।

जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने कहा कि कानून का मकसद बुजुर्गों की गरिमा और सुरक्षा तय करना है। सभ्य समाज का स्तर अक्सर इस बात से तय होता है कि वह अपने बुजुर्गों को कितनी गरिमा, सम्मान और सुरक्षा देता है।

**लखनऊ के मकान से जुड़ा मामला:** यह मामला लखनऊ के विकास नगर निवासी रवि कांत गुप्ता की अपील से जुड़ा था। गुप्ता ने 5 जून 2022 को अपने बेटे को मकान से निकालने के लिए जिला मजिस्ट्रेट के पास आवेदन दिया था।

यह मकान उनकी खुद की खरीदी हुई संपत्ति थी। मामला तब सामने आया, जब गुप्ता की 81 साल की मां को घर छोड़कर वृद्धाश्रम में रहने के लिए मजबूर होना पड़ा।

# बिहार- छात्रों के समर्थन में आरजेडी का प्रदर्शन, तेजस्वी हिरासत में

**वाटर कैनन चलाई गई, प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग तोड़ी, पुलिस पर बोतलें फेंकीं**

**पटना,एजेंसी।** बिहार के सीवान में छात्र आंदोलन के दौरान AK-47 से फायरिंग के मामले को लेकर तेजस्वी यादव बुधवार को सड़क पर उतरे। उन्होंने पटना में जेपी गोलंबर से राजभवन तक मार्च निकाला। करीब 5 किलोमीटर लंबे मार्च में उनके साथ करीब 5 हजार समर्थक मौजूद रहे।

समर्थकों के साथ तेजस्वी डाकबंगले पर लगाई बैरिकेडिंग तोड़कर आगे निकल गए। इनकम टैक्स चौराहे पर पुलिस ने वाटर कैनन चलाई। इसके बाद तेजस्वी को हिरासत में ले लिया गया। उन्होंने कहा कि मैं जेल से डरने वाला नहीं हूं। हमारे भगवान श्री कृष्ण का जन्म जेल में ही हुआ था। जो सत्ता में आया है, उसका जाना तय है।

कुछ कार्यकर्ताओं ने पुलिस के ऊपर पानी की बोतलें भी फेंकीं। कुछ कार्यकर्ता लकड़ी की AK-47 लेकर भी पहुंचे। ASP लॉ एंड आर्डर कृष्ण मुरारी प्रसाद ने जवानों को निर्देश दिया कि झंडे का सम्मान और लाठी का इस्तेमाल समझदारी से करें।

**मीसा भारती बोलीं- सीवान डीएम-एसपी पर एक्शन हो:** राजद सांसद मीसा भारती ने कहा कि हमारी एक ही मांग है कि बिहार के छात्रों को इंसाफ मिले। छात्रों प्रदर्शन के दौरान किसके कहने पर एक पुलिसकर्मी ने सीवान में छात्रों पर एके-47 से गोलियां चलाई। जाहिर है, DM और SP के आदेश पर ही गन इस्तेमाल किया होगा। सरकार छोटे से सिपाही, को सस्पेंड कर के क्या साबित करना चाहती हैं। अगर सरकार को सस्पेंड ही करना था तो सिपाही की जगह ठ्ठरू और स्क्क को सस्पेंड करना था। हम मांग करते हैं कि ठ्ठरू और स्क्कपर कार्रवाई हो।

**5 साल बाद सड़क पर संघर्ष करने उतरे तेजस्वी...** तेजस्वी यादव 5 साल से ज्यादा समय के बाद इस तरह से सड़क पर पैदल मार्च करते हुए दिखाई दिए। इससे पहले 2021 में बिहार सरकार के एक प्रस्ताव के खिलाफ तेजस्वी यादव सड़क पर उतरे थे।

## कोलकाता की पांच मंजिला बिल्डिंग में आग, 9 मौतें, 6 घायल

● इनमें कुछ बांग्लादेशी नागरिक ● इमारत में कई होटल ● 80 का रेस्क्यू

**कोलकाता,एजेंसी।** कोलकाता के मिर्जा गालिब स्ट्रीट स्थित पांच मंजिला बिल्डिंग में मंगलवार रात करीब 1:45 बजे आग लग गई। बिल्डिंग के अंदर कई होटल थे। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, इनमें 2 महिलाएं और एक 4 साल का बच्चा शामिल है। सभी बेहोशी की हालत में मिले थे। 6 लोग घायल हुए हैं। अब तक 80 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है।

आग लगने के वक्त होटलों में ज्यादातर लोग सो रहे थे। बिल्डिंग में धुआं भरने के कारण उनका दम घुटने लगा। मरने वालों में भारतीय और बांग्लादेशी नागरिक शामिल हैं। लोगों की पहचान की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। आग की सूचना मिलते ही दमकल की 5 गाड़ियां, पुलिस और डिजास्टर मैनेजमेंट की टीमें मौके पर पहुंचीं। घने धुएं के कारण दमकलकर्मियों को ऊपरी मंजिलों तक पहुंचने में काफी दिक्कत हुई। आग पर काबू पा लिया गया है, लेकिन इमारत अभी भी काफी गर्म है, इसलिए कूलिंग का काम जारी है।

पश्चिम बंगाल के फायर डिपार्टमेंट मंत्री कौशिक चौधरी ने घटनास्थल का दौरा करने के बाद बताया कि शुरुआती तौर पर शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका है, लेकिन इसकी पुष्टि फॉरेंसिक जांच के बाद होगी। मंत्री ने कहा कि इमारत के अंदर की स्थिति बेहद खराब थी और यहां कई होटल चल रहे थे। उन्होंने कहा कि वहां की व्यवस्था देखकर वे हैरान हैं। मंत्री के मुताबिक, बिल्डिंग मैनेजमेंट ने बुनियादी सुरक्षा और निर्माण नियमों का पालन नहीं किया था। होटल के संचालन में भी कई तरह की अनियमितताएं होने की शिकायत सामने आई है। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी घटनास्थल पर जा सकते हैं।

**बिल्डिंग मालिक फरार, केस दर्ज होगा:** पुलिस के मुताबिक, इमारत का मालिक फिलहाल फरार है। न्यू मार्केट थाने में केस दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस मालिक की तलाश में उसके घर समेत कई जगहों पर दबिश दे रही है। आग लगने की वजह और सुरक्षा नियमों के उल्लंघन की जांच की जा रही है।

## गोवा सरकार ने पत्रकार तेजपाल की उम्रकैद की मांग की

● हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची ● रेप केस में 10 साल की सजा मिली थी

**गोवा,एजेंसी।** गोवा सरकार ने 2013 के यौन उत्पीड़न मामले में तहलका मैगजीन के पूर्व एडिटर-इन-चीफ तरुण तेजपाल की सजा बढ़ाने की मांग की। इसे लेकर राज्य सरकार ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। सरकार ने अपनी याचिका में कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए तेजपाल को उम्रकैद की सजा दी जानी चाहिए।

बॉम्बे हाईकोर्ट की गोवा बेंच ने 6 अगस्त को तेजपाल को रेप केस में दोषी करार दिया था। कोर्ट ने उन्हें 10 साल की जेल की सजा सुनाई थी। इससे पहले मई 2021 में गोवा की ट्रायल कोर्ट ने सबूतों के अभाव में तेजपाल को बरी कर दिया था। इसके बाद मामला हाईकोर्ट पहुंचा था।

**महिला पत्रकार के साथ यौन उत्पीड़न का आरोप:** मामला नवंबर 2013 का है। तहलका की एक महिला पत्रकार ने आरोप लगाया था कि गोवा में आयोजित थिंक फेस्ट के दौरान 7 और 8 नवंबर की रात होटल की लिफ्ट में तरुण तेजपाल ने उनका दो बार यौन उत्पीड़न किया था।

## कांग्रेस बोली: आईआईटी डायरेक्टर्स को विदेश में आरएसएस संवाद की जिम्मेदारी

**पूर्व छात्रों को कार्यक्रम में लाएं; 3 देशों के दौरे पर जाएंगे आरएसएस चीफ**

**नई दिल्ली,एजेंसी।** आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत 25 अगस्त से अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन के दौरे पर जाएंगे। इस दौरान वे भारतीय प्रवासी समुदाय से संवाद करेंगे।

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने दावा किया है कि कई IIT डायरेक्टर्स से अपने पूर्व छात्रों से संपर्क करने को कहा गया है, ताकि वे अमेरिका में भागवत से मुलाकात कर सकें। न्यूज एजेंसी ANI के मुताबिक, यह दौरा प्रवासी भारतीयों से जुड़े स्थानीय संगठनों और संस्थाओं के निमंत्रण पर आयोजित किया जा रहा है। भागवत का यह विदेश दौरा आरएसएस के शताब्दी समारोह के बीच हो रहा है।

**दौरा संगठन के शताब्दी वर्ष के दौरान हो रहा...** आरएसएस ने कहा है कि भागवत का यह दौरा संगठन के शताब्दी वर्ष के दौरान हो रहा है। आरएसएस के प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने पहले बताया था कि भागवत 25 अगस्त से इन तीनों देशों की यात्रा करेंगे। उन्हें विदेशों में मौजूद भारतीय समुदाय से जुड़े संगठनों और संस्थाओं ने आमंत्रित किया है।

## राहुल गांधी बोले- मैं लड़ाई में आदिवासी भाई-बहनों के साथ

**केन-बेतवा लिंक प्रोजेक्ट के प्रभावितों से मिले; संसद में मुद्दा उठाने का वादा किया**

**छतरपुर,एजेंसी।** छतरपुर में केन-बेतवा लिंक प्रोजेक्ट के खिलाफ चल रहे आंदोलन के प्रमुख कार्यकर्ता अमित भटनागर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात की।

इस दौरान उन्होंने प्रोजेक्ट से प्रभावित आदिवासी परिवारों की समस्याओं, विस्थापन, पुनर्वास और अधिकारों से जुड़े मुद्दों को राहुल गांधी के सामने रखा। आंदोलन कारियों ने राहुल को बताया कि प्रभावित आदिवासी समुदाय लंबे समय से अपने अधिकारों और न्याय की मांग को लेकर सत्याग्रह कर रहा है।

# सुप्रीम कोर्ट में सरकार बोली- नीट का सिस्टम फूलप्रूफ, तोड़ना मुश्किल

● सुप्रीम कोर्ट ने कहा- टेक्नोलॉजी समझने वाले अफसर भर्ती कर ● उन्हें बार-बार ट्रांसफर न करें

**नई दिल्ली,एजेंसी।** सरकार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि नीट परीक्षा सिस्टम पूरी तरह सुरक्षित है। इसमें सेंध लगाना मुश्किल है। पेपर तैयार करने से लेकर एग्जाम सेंटर में पहुंचने तक पूरी प्रक्रिया को बेहद गोपनीयता रखा जाता है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) से PSC जैसा मजबूत परीक्षा सिस्टम बनाने को कहा। कोर्ट ने कहा कि नई टेक्नोलॉजी समझने वाले अधिकारियों को शामिल करना चाहिए। साथ ही अनुभवी अधिकारियों के बार-बार ट्रांसफर से बचने की सलाह दी।

जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट, FAIMA और अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई की। इनमें NTA को भंग करने और पेपर लीक रोकने के लिए मजबूत निगरानी सिस्टम की मांग की गई है।

कोर्ट ने कहा कि कागज पर प्रक्रिया बेहतर दिख सकती है, लेकिन असली चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि एक परीक्षा के बाद अगली परीक्षा तक व्यवस्था में वही कमजोरियां दोबारा न लौटें।

**सुप्रीम कोर्ट ने दोबारा कहा- यूपीएससी जैसा सिस्टम बनाएं...** सुप्रीम कोर्ट ने तीन महीने बाद दोबारा कहा कि NTA को PSC की तरह ऐसा मजबूत सिस्टम बनाना चाहिए, जिसमें परीक्षा कराने का अनुभव अधिकारियों के ट्रांसफर होने के बाद भी संस्था के पास बना रहे।

# ट्रम्प बोले: 2020 चुनाव में 24,000 गैर-नागरिकों ने वोट डाले

**चुनाव में मेरी जीत हुई थी, धांधली रोकने के लिए कानून बनाउंगा**

**वॉशिंगटन डीसी,एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर दावा किया है कि 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में धांधली हुई थी। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि मतदाता और नागरिकता रिकॉर्ड की जांच में 24 हजार से ज्यादा गैर-अमेरिकी नागरिकों के वोट डालने का पता चला है। ट्रम्प ने आगे कहा कि अमेरिकी जनगणना ब्यूरो मतदाता रिकॉर्ड और नागरिकता रिकॉर्ड का मिलान कर रहा है। अब तक 12.8 करोड़ मतदाताओं की जांच की जा चुकी है। अभी 3.2 करोड़ और मतदाताओं के रिकॉर्ड की जांच होनी बाकी है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगी, अवैध मतदान के मामलों की संख्या और बढ़ सकती है। उन्होंने यह भी दावा किया कि 2020 के चुनाव में उनकी ही जीत हुई थी। ट्रम्प ने कहा कि चुनाव में फर्जीवाड़ा रोकने के लिए वे 'सेव अमेरिका एक्ट' लाने वाले हैं। वॉशिंगटन डीसी समेत 15 ऐसे राज्य हैं जहां वोट डालने के लिए फोटो आईडी जरूरी नहीं है। इनमें से ज्यादातर राज्य ऐसे हैं जहां चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी की जीत होती है। ट्रम्प और उनकी पार्टी के नेता का आरोप है कि जिन राज्यों में फोटो आईडी जरूरी नहीं है।

**ट्रम्प क्यों उठा रहे हैं यह मुद्दा?** अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के लिए वोटिंग के लिए पहचान संबंधी जानकारी देनी होती है। हालांकि पूरे देश में एक जैसा नियम नहीं है। हर राज्य के अपने चुनावी नियम हैं। इसलिए वोट डालने के लिए मांगे जाने वाले दस्तावेज भी राज्य के हिसाब से बदलते हैं।

## सोनिया गांधी प्रधानमंत्री क्यों नहीं बनीं

**किताब में बताएंगी**

**इसमें अपनों को खोने, राजनीति में आने के किस्से**

**» 10 नवंबर को पब्लिश होगी**

**न्यूयॉर्क,एजेंसी।** कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के संस्मरणों पर लिखी गई किताब 'Belonging A Journey of Love' 10 नवंबर को प्रकाशित होगी। प्रकाशक अल्फ्रेड ए नॉफ ने मंगलवार को घोषणा की। किताब में सोनिया अपने राजनीति में सफर और 2004 में प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं करने के फैसले से जुड़े अनुभव बताएंगी। किताब में सोनिया ने इटली में बिताए बचपन से लेकर कैंब्रिज में राजीव गांधी से मुलाकात तक का जिक्र किया है। इसमें नेहरू-गांधी परिवार में शादी और परिवार में हुई हत्याओं के बाद बदली जिंदगी के बारे में लिखा है। जब मैंने राजनीति से कुछ दूरी बनाकर पीछे मुड़कर अपने जीवन को देखा, तो मुझे अपनी कहानी में प्यार और वफादारी का एक धागा साफ नजर आया। यह धागा इटली के एक छोटे शहर में बिताए साधारण बचपन से शुरू होकर भारत में राजीव गांधी की पत्नी और इंदिरा गांधी की बहू के रूप में बिताए तक जाता है।

**सोनिया ने लिखा- यह किताब परिवार की इंसानियत को समर्पित...** सोनिया ने कहा कि उनके परिवार के बारे में बहुत कुछ लिखा गया है, लेकिन उनके इरादों, काम और मानवीय पहलुओं को उस तरह नहीं समझा गया। कई मायनों में यह किताब उनकी इंसानियत को समर्पित है। उनके मुताबिक, किताब उनके जीवन के साथ-साथ भारत में करीब छह दशकों के दौरान हुए सामाजिक और राजनीतिक बदलावों को देखने का एक अलग नजरिया भी देती है।

## प्रयागराज में लगातार तीसरे दिन बारिश, घरों में सामान डूबा

● बिहार में स्कूल नदी में बहा ● हिमाचल-उत्तराखंड में 6 मौतें ● ब्रिज नदी में समाया

**नई दिल्ली/ लखनऊ/ भोपाल/ पटना,एजेंसी।** देश के कई राज्यों में लगातार बारिश जारी है। यूपी के प्रयागराज में लगातार तीसरे दिन बारिश से घरों में पानी घुस गया। इसके चलते घरों में बेड, सोफा और दूसरे सामान डूब गए हैं। जिले में लगातार दूसरे दिन सभी स्कूल बंद हैं। रामबाग रेलवे स्टेशन के तीन ट्रैक भी पानी में डूब गए हैं।

बिहार के बगहा में गंडक नदी के तेज कटाव से प्राथमिक स्कूल के 5 में से 4 कमरे नदी में बह गए। अब स्कूल का बचा हुआ हिस्सा भी कटाव की जद में है। हिमाचल प्रदेश के सिरमौर में मंगलवार को भारी बारिश के बीच लैंडस्लाइड से 3 लोगों की मौत हो गई। इनमें एक ट्रक ड्राइवर और नेपाल के दो मजदूर शामिल हैं। बारिश के कारण 88 सड़कें बंद हैं। मंडी में सबसे ज्यादा 32, कुल्लू में 25 और सिरमौर में 10 सड़कें बंद हैं।

वहीं, उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल में लैंडस्लाइड से 3 लोगों की मौत हुई है। राज्य में बारिश-लैंडस्लाइड के कारण 124 सड़कें बंद हैं। पिथौरागढ़ में BRO के कुलागाड़ वैली ब्रिज पर चट्टानें जा गिरीं। इससे पुल काली नदी में समा गया।

इससे कैलाश मानसरोवर मार्ग पर आवाजाही बंद हो गई। बाढ़ प्रभावित जिलों में बदायूं, बहराइच, बलिया, बाराबंकी, बिजनौर, फर्रुखाबाद, गौतमबुद्ध नगर, गोंडा, कासगंज, लखीमपुर खीरी, मुजफ्फरनगर, सीतापुर और उन्नाव शामिल हैं।

**यूपी के 13 जिलों में बाढ़, 84 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित...** उत्तर प्रदेश के 13 जिलों के 173 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। करीब 13,058 हेक्टेयर क्षेत्र और 84,362 लोग बाढ़ की चपेट में आए हैं। प्रशासन ने अब तक 4,800 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है।

# पता एक ही लेकिन किचन अलग बंगाल की जनगणना में परिवार की पहचान करने के लिए अब रसोई बनेगी आधार

**कोलकाता, एजेंसी।** जनणना की प्रक्रिया में एक घर का मतलब हमेशा एक परिवार नहीं होता और पता तो बिल्कुल भी परिवार का नंबर नहीं होता। जनगणना यह मायने नहीं रखता कि कौन एक ही छत के नीचे रहता है बल्कि यह मायने रखता है कि कौन एक ही रसोई में खाना खाता है। घर-घर जाकर जानकारी जुटाने का काम शुरू किया तो बंगाल के जनगणना निदेशक ने सोमवार को साफ किया कि परिवार की पहचान करने का एक आसान नियम रसोई होगा।

**एक ही पते पर कई परिवार हो सकते हैं:** पश्चिम बंगाल में जनगणना कार्यों के डायरेक्टर निखिल पवन कल्याण ने कहा, एक ही पते पर कई जनगणना परिवार हो सकते हैं। मान लीजिए तीन भाई एक ही बिल्डिंग के अलग-अलग हिस्सों में रह रहे हैं। अगर तीनों परिवार तीन अलग-अलग रसोईघरों में खाना बनाते हैं तो जनगणना में उन्हें तीन परिवार माना जाएगा, भले ही उनका पता एक ही हो। अगर वे एक ही रसोईघर और खाने का इस्तेमाल करते हैं तो उन्हें एक ही परिवार माना जा सकता है। दूसरे शब्दों में अधिकारी ने कहा कि जनगणना यह समझने के लिए दीवारों और डाक पतों से आगे देख रही है कि लोग असल में कैसे रहते हैं। डायरेक्टर ने कहा, अगर बिना रिश्ते वाले लोग एक ही घर में रहते हैं लेकिन एक ही रसोईघर से खाना नहीं खाते हैं तो उन्हें एक परिवार नहीं माना जाता है। जैसे हॉस्टल या अनाथालय के मामले में होता है।

### अगर गलती की है तो सुधार कर लें

अधिकारियों ने साफ किया कि अगर किसी ने गलती से एक ही घर में रहने वाले अलग-अलग परिवारों को एक ही परिवार बताया है तो वे अगले चार हफ्तों में जनगणना करने वाले कर्मचारी के घर आने पर जरूरी सुधार करवा सकते हैं। घर-घर जाकर घरों की लिस्ट बनाने का काम 14 सितंबर तक चलेगा। अधिकारियों के अनुसार, जनगणना घर एक ऐसी इमारत या इमारत का हिस्सा होता है जिसे एक अलग इकाई माना जाता है क्योंकि इसका सड़क, आम आंगन, सीढ़ी या इसी तरह के रास्ते से एक अलग मुख्य प्रवेश द्वार होता है।

### कैसा होता है जनगणना वाला घर

एक अन्य अधिकारी ने बताया कि यह घर भरा हुआ या खाली हो सकता है और इसका इस्तेमाल रहने या रहने के अलावा किसी और मकसद के लिए किया जा सकता है। दूसरी ओर घर का मतलब वहां रहने वाले लोगों और उनके रहने-सहने के इंतजाम से है। आमतौर पर यह उन लोगों का समूह होता है जो साथ रहते हैं और एक ही रसोईघर में बना खाना खाते हैं। इसके सदस्य आपस में रिश्तेदार हो सकते हैं, गैर-रिश्तेदार हो सकते हैं या दोनों का मिला-जुला समूह हो सकता है। अधिकारी ने समझाया कि इसलिए जनगणना परिवार और सामान्य घर अलग-अलग होते हैं। इसका मतलब यह भी है कि जनगणना परिवार का नंबर और पता एक ही चीज नहीं हैं। पता जगह की पहचान बताता है। अधिकारी ने कहा, 卐घर का नंबर जनगणना के मकसद से वहां दर्ज परिवार की पहचान करता है। इसलिए, एक पते पर कई घरों के नंबर हो सकते हैं। अधिकारियों ने तीन तरह के घरों की पहचान की है सामान्य, संस्थागत और बेघर। अधिकारी ने आगे कहा, यह अंतर तब खास तौर पर अहम हो जाएगा जब गणना करने वाले ऊंची इमारतों, हॉस्टल, ऑफिस, जेल और बड़े संस्थागत परिसरों में घरों और दूसरी इमारतों की नंबरिंग शुरू करेंगे।

## दिल्ली पीडब्ल्यूडी के अपने इंजीनियरिंग कैडर का रास्ता साफ, केंद्र को भेजा प्रस्ताव ; भर्ती के लिए बनेगी नई व्यवस्था



**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के लिए अपना इंजीनियरिंग कैडर गठित करने की दिशा में दिल्ली सरकार ने कदम आगे बढ़ा दिया है। सरकार ने विभाग की ओर से तैयार प्रस्ताव को केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के पास मंजूरी के लिए भेजा है। केंद्र से अनापत्ति प्रमाणपत्र मिलने के बाद कैडर गठन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा।

**केंद्र की मंजूरी आवश्यक:** लोक निर्माण मंत्री प्रवेश वर्मा ने बताया कि स्वतंत्र कैडर के लिए केंद्र की मंजूरी आवश्यक है। प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद दिल्ली पीडब्ल्यूडी अपने इंजीनियरिंग कैडर के लिए भर्ती नियम तैयार करेगा अधिकारियों की नियुक्ति के लिए परीक्षा आयोजित करने की व्यवस्था भी बनाई जाएगी। भर्ती नियम तैयार करने में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) या किसी अन्य पेशेवर संस्था से सलाह लेने की संभावना है। बता दें कि दिल्ली सरकार ने पिछले साल जुलाई में पीडब्ल्यूडी के लिए अलग कैडर बनाने की घोषणा की थी। इसके बाद विभाग ने प्रस्ताव तैयार करने के साथ विभिन्न विभागों से जरूरी मंजूरियां लेने की प्रक्रिया शुरू की। सरकार ने इस सुधार के तौर-तरीकों पर सुझाव देने के लिए विशेषज्ञों और सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारियों की समिति भी गठित की थी।

**निरंतरता पर पड़ता है असर:** सरकार का तर्क है कि मौजूदा व्यवस्था में दिल्ली पीडब्ल्यूडी में काम करने वाले कई अधिकारी सीपीडब्ल्यूडी के कैडर नियंत्रण में हैं। बार-बार तबादले और पदस्थापन से परियोजनाओं की निरंतरता प्रभावित होती है। सरकार के मुताबिक इससे सार्वजनिक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में देरी, लागत बढ़ने और जवाबदेही से जुड़ी समस्याएं पैदा होती हैं। प्रस्ताव मंजूर होने पर दिल्ली पीडब्ल्यूडी में तैनात सीपीडब्ल्यूडी से प्रतिनियुक्त अधिकारियों को अपने मूल कैडर में लौटने अथवा निर्धारित शर्तों के तहत नए दिल्ली पीडब्ल्यूडी इंजीनियरिंग कैडर में स्थायी रूप से शामिल होने का विकल्प दिया जाएगा।

## 1600 घर खरीदारों के लिए गुड न्यूज, 19 साल से अटके अंसल प्रोजेक्ट को लेकर आई राहत भरी खबर



**गाजियाबाद, एजेंसी।** करीब 19 साल से अपने आशियाने का इंतजार कर रहे अंसल हाउसिंग प्रोजेक्ट के करीब 1,600 खरीदारों की उम्मीदों को अब सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद राहत की उम्मीद नजर आ रही है। अदालत की सख्ती के बाद उत्तर प्रदेश के प्रमुख सचिव पी गुरुप्रसाद ने जीडीए अधिकारियों के साथ अंसल प्रोजेक्ट की साइट का निरीक्षण किया। परियोजना की मौजूदा स्थिति, निर्माण में आ रही अड़चनों और लंबित स्वीकृतियों की जानकारी ली और घर खरीदारों से भी बातचीत करते हुए उनकी समस्याएं सुनीं। सुप्रीम कोर्ट ने जुलाई में मामले की सुनवाई के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार और प्राधिकरण की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई थी। कोर्ट ने कहा था कि करीब 1,600 खरीदार 19 वर्षों से अपने फ्लैट की प्रतीक्षा कर रहे हैं। अदालत ने राज्य सरकार और जीडीए को संयुक्त रूप से बैठक कर डेवलपमेंट लाइसेंस के नवीनीकरण और संशोधित भवन नक्शों की मंजूरी पर जल्द निर्णय लेने के निर्देश दिए थे।

साथ ही निर्णय की जानकारी अदालत के समक्ष रखने को कहा था। इसी क्रम में प्रमुख सचिव का साइट निरीक्षण महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

### परियोजना की समझी वास्तविक स्थिति

अधिकारियों ने परियोजना की वास्तविक स्थिति को समझने के साथ ही उन बिंदुओं की जानकारी ली, जिनके कारण निर्माण और योजना लंबे समय से अटकी हुई है। खरीदारों ने भी अपने स्तर पर वर्षों से झेल रहे इंतजार और समस्याओं को अधिकारियों के सामने रखा। इस मौके पर जीडीए उपाध्यक्ष नन्द किशोर कलाल, सचिव विवेक कुमार मिश्र, अपर सचिव प्रदीप कुमार सिंह समेत प्राधिकरण के अधिकारी मौजूद रहे। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद सबसे बड़ा सवाल विकास लाइसेंस के नवीनीकरण और संशोधित नक्शों की मंजूरी को लेकर है। इन स्वीकृतियों पर निर्णय होने के बाद ही परियोजना को आगे बढ़ाने का रास्ता साफ होने की उम्मीद है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद प्रमुख सचिव के निरीक्षण को खरीदारों के लिए महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट में 20 अगस्त को सुनवाई होगी। अब खरीदारों की निगाह सुप्रीम कोर्ट के साथ ही प्रदेश सरकार और जीडीए की आगामी संयुक्त कार्रवाई पर टिकी है।

## सिटिंग-गेटिंग फॉर्मूले से मौजूदा विधायकों को मिला मौका, उत्तराखंड में भाजपा समन्वय से साधेगी हैट्रिक के समीकरण

**देहरादून, एजेंसी।** उत्तराखंड में सरकार और संगठन के साथ निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय के रथ पर सवार होकर भाजपा अगले विधानसभा चुनाव में दमदार तरीके से खम ठोकने जा रही है। तालमेल के साथ होने वाले इस शक्ति प्रदर्शन में लोकसभा के पांच और राज्यसभा के तीन सदस्यों यानी सभी आठ सांसदों की भूमिका योगक्षेम की रहने वाली है। यानी, विधानसभा सीटों की मौजूदा संख्या को सुरक्षित रखने के साथ उसमें वृद्धि करने में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहेगा। वहीं, सिटिंग-गेटिंग के फार्मूले पर ही आगे बढ़ने के संकेत देकर पार्टी ने वर्तमान 47 विधायकों को राहत दे दी है। इससे उन विधायकों को भी संभलने का मौका मिला है, पार्टी के सर्वे में जिनकी स्थिति नाजुक आंकी गई है। सिटिंग-गेटिंग फार्मूले से विधायकों के पास कमजोरी को ताकत में बदलने का मौका उत्तराखंड में लगातार तीसरे विधानसभा चुनाव में हैटट्रिक के समीकरण साधने के लिए त्रिस्तरीय समन्वय भाजपा की रणनीति का खास हिस्सा बन गया है। इसे मजबूत किलेबंदी के रूप में देखा जा रहा है। भाजपा प्रदेश कोर कमेटी की हाल ही में दिल्ली में हुई बैठक में मंथन के बाद निर्णय किया गया कि सरकार, संगठन और जनप्रतिनिधियों के बीच तालमेल व भरोसे को मजबूत करने के साथ विपक्ष के नैरेटिव को ध्वस्त किया जाएगा। ये निर्णय अब जमीन पर उतरने लगे हैं।

### सीएम कर रहे हैं सांसद और विधायकों संग मीटिंग

मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के इन दिनों भाजपा के भीतर गुटीय खींचतान को लेकर नैरेटिव बनाने के प्रयासों को देखते हुए सत्ताधारी दल सतर्क हुई है। अगले विधानसभा चुनाव के नेतृत्वकर्ता के रूप में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी लोकसभा क्षेत्रवार सांसदों, विधायकों और जिलाध्यक्षों की लगातार बैठकें ले रहे हैं। मंडल स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन के ठीक बाद इन बैठकों का क्रम आरंभ हो चुका है, ताकि विधानसभा चुनाव में लगने जा रही भाजपा की ताकत में बिखराव न होने पाए। अगले विधानसभा चुनाव में योगक्षेम की भूमिका में दिखेंगे पार्टी के सभी आठ सांसद वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में सत्ताधारी दल के सांसद अलग-थलग नहीं दिखेंगे। उनकी सक्रिय भूमिका का ताना-बाना बुना गया है। राज्य में सभी पांच संसदीय क्षेत्रों के अंतर्गत 14-14 विधानसभा सीट हैं। कोर कमेटी के निर्णय के अनुसार प्रत्येक सांसद को भाजपा की वर्तमान विधानसभा सीटों का आंकड़ा सुरक्षित रखना ही है, साथ में इसमें वृद्धि करने का टास्क भी दिया गया है।

## शिमला में भारी बारिश और भूस्खलन ने किया बेहाल चार भवनों पर मंडराया खतरा, गाड़ियां क्षतिग्रस्त ; सड़कें बंद

**शिमला, एजेंसी।** हिमाचल प्रदेश में रात से लगातार बारिश का दौर जारी है। शिमला में भारी बारिश और भूस्खलन के कारण अपर लंबिधार-इंद्रनगर एंबुलेंस रोड पूरी तरह से बंद हो गया है। लैंडस्लाइड की चपेट में एक वाहन भी आया है। सड़क बंद होने से स्कूल और कार्यालय जाने वाले लोगों को सुबह भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं, लैंडस्लाइड से ऊपर की तरफ बने चार घरों पर भी खतरा मंडरा रहा है। भट्ठाकुफर में भूस्खलन के कारण दो गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गई हैं। मंगलवार से हो रही भारी बारिश के कारण शिमला के अपर लंबिधार-इंदर नगर एंबुलेंस रोड पर अचानक लैंडस्लाइड हो गया। पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा सड़क पर आ जाने के कारण यहां वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद हो गई। लैंडस्लाइड की चपेट में एक वाहन भी आ गया।

**भारी बारिश में गंभीर हो सकती है स्थिति:** स्थानीय लोगों के मुताबिक लैंडस्लाइड के कारण सड़क के ऊपर बने चार घरों को भी खतरा पैदा हो गया है।

## अबू अल-दुहूर एयरबेस पर इस्राइली हमले से तनाव

### क्षेत्रीय शांति के लिए खतरा

**यरुशलम, एजेंसी।** सीरिया के इदलिब प्रांत स्थित अबू अल-दुहूर एयरबेस पर इस्राइली हवाई हमलों के बाद क्षेत्रीय तनाव बढ़ गया है। ने हमलों को सीरिया की संप्रभुता, अंतरराष्ट्रीय कानून और 1974 के डिसइंगेजमेंट एग्रीमेंट का उल्लंघन बताते हुए कड़ी निंदा की है। इस्राइल ने अपने कदम को सुरक्षा संबंधी चिंताओं से जोड़ा है, जबकि अमेरिका ने हमलों को अनावश्यक रूप से तनाव बढ़ाने वाला बताया है। सीरिया, जॉर्डन, कतर और तुर्की ने भी अलग-अलग तरीके से हमलों पर आपत्ति जताई है। एक बयान में के विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह इस्राइली हमलों की कड़े शब्दों में निंदा करता है। मंत्रालय ने ऐसी किसी भी कार्रवाई को पूरी तरह खारिज किया, जो सीरिया की सुरक्षा और स्थिरता के लिए खतरा पैदा करती हो। मंत्रालय ने कहा, सीरिया की संप्रभुता के किसी भी उल्लंघन या उसकी सुरक्षा और स्थिरता के लिए पैदा किए जा रहे खतरों को पूरी तरह से खारिज करता है।

**1974 के समझौते का हवाला देकर इजरायल पर निशाना :**विदेश मंत्रालय ने कहा कि सीरियाई क्षेत्र में इस्राइल की ओर से लगातार किए जा रहे हमले अंतरराष्ट्रीय कानून और सीरिया तथा इस्राइल के बीच 1974 में हुए डिसइंगेजमेंट एग्रीमेंट यानी सेनाओं की वापसी संबंधी समझौते का खुला उल्लंघन हैं। मंत्रालय ने कहा, मंत्रालय ने सीरिया की स्थिरता और क्षेत्रीय अखंडता के समर्थन में श्र के अडिग रुख को दोहराया। साथ ही, सीरियाई लोगों के साथ एकजुटता जताई और सुरक्षा, शांति, सम्मान, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व तथा विकास की उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने के उद्देश्य से किए जा रहे सभी प्रयासों के लिए समर्थन व्यक्त किया।

**अंतरराष्ट्रीय समुदाय से तत्काल हस्तक्षेप की अपील:** अंतराष्ट्रीय समुदाय से सीरियाई क्षेत्र पर बार-बार हो रहे हमलों को रोकने और तनाव को और बढ़ने से रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने का भी आह्वान किया।

## 27 साल अमेरिका में रहीं, ग्रीन कार्ड भी था; फिर भी भारतीय मूल की महिला हिरासत में, क्यों हुई कार्रवाई

**न्यूयॉर्क, एजेंसी।** भारतीय मूल की वेंकटा वसमसेट्टी को अमेरिकी इमिग्रेशन एवं कस्टम्स एन्फोर्समेंट यानी आईसीई ने हिरासत में लिया है। वसमसेट्टी वर्ष 1999 में अमेरिका गई थीं और करीब 27 साल से वहीं रह रही थीं। वर्ष 2013 से वह ग्रीन कार्ड धारक हैं। इसके बावजूद उनके खिलाफ निर्वासन की कार्रवाई शुरू हुई थी। परिवार के लिए मामला इसलिए भी चौंकाने वाला है क्योंकि इमिग्रेशन कोर्ट कुछ महीने पहले ही उनके खिलाफ चल रहा निर्वासन मामला खारिज कर चुका था। मामले की शुरुआत वर्ष 2022 की एक यात्रा से जुड़ी है। वसमसेट्टी अपने बीमार माता-पिता की देखभाल के लिए भारत आई थीं। इसी दौरान वह कोविड से संक्रमित हो गई और उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के कारण उनकी अमेरिका वापसी में देरी हुई। वह करीब सात महीने बाद फरवरी 2023 में अमेरिका लौटीं। अमेरिकी सरकार ने लंबे समय तक अमेरिका से बाहर रहने को इस सवाल से जोड़ा कि क्या उन्होंने अमेरिका में अपना स्थायी निवास छोड़ दिया था। क्या भारत में लंबे समय तक रुकना ही उनके लिए कानूनी परेशानी बना वसमसेट्टी के परिवार और उनकी कानूनी टीम का कहना है। कि भारत में रहने के दौरान भी उनका अमेरिका से संबंध बना हुआ था। उनके मुताबिक, अमेरिका में उनका घर, नौकरी और पारिवारिक संबंध मौजूद थे। यानी भारत में लंबे समय तक रुकने के बावजूद उनका इरादा अमेरिका में अपना स्थायी निवास छोड़ने का नहीं था। इसी मामले में उनके खिलाफ निर्वासन की प्रक्रिया आगे बढ़ी थी।

**फिर इमिग्रेशन कोर्ट ने क्या फैसला दिया था:** वसमसेट्टी के वकील के अनुसार, सरकार तय समयसीमा में उनके खिलाफ जरूरी सबूत पेश नहीं कर सकी। इसके बाद 19 मई 2026 को इमिग्रेशन जज ने उनके खिलाफ चल रहा निर्वासन का मामला खारिज कर दिया। कानूनी टीम का कहना है कि इस फैसले के बाद भी वसमसेट्टी वैध स्थायी निवासी बनी रहीं। इसके बावजूद उन्हें आईसीई के साथ नियमित चेक-इन के लिए बुलाया जाता रहा।

**नियमित चेक-इन के दौरान क्या हुआ:** 11 अगस्त को वसमसेट्टी नॉर्थ कैरोलिना के शार्लोट स्थित आईसीई कार्यालय में नियमित चेक-इन के लिए पहुंचीं। इसी दौरान अधिकारियों ने उन्हें हिरासत में ले लिया।

## टेक्सास में मुस्लिमों के खिलाफ बढ़ती नफरत से क्यों बढ़ी दहशत, बदलते माहौल में क्या है डर की वजह

**टेक्सास, एजेंसी।** टेक्सास में मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों का कहना है कि पिछले कुछ समय में उनके खिलाफ नफरती बयानबाजी और विरोध की घटनाएं बढ़ी हैं। डलास के आसपास के इलाकों में दक्षिणपंथी नेताओं की बयानबाजी ने इस चिंता को और बढ़ाया है। कई मुस्लिम परिवारों का कहना है कि वे बेहतर स्कूल, किफायती घर और मजबूत समुदाय की तलाश में टेक्सास आए थे, लेकिन अब बदलते माहौल को लेकर असुरक्षा महसूस कर रहे हैं।

**गुलाम केहर को परिवार की चिंता क्यों सताने लगी:** गुलाम केहर दो महीने पहले सुबह जल्दी उठकर टेक्सास के इर्विंग स्थित मस्जिद में नमाज पढ़ने गए थे। इसके बाद वह अमेरिकी तटरक्षक बल के महीनों लंबे अभियान में सेवाएं देने के लिए रवाना हुए। वह पहले भी ऐसे अभियानों में हिस्सा ले चुके थे, लेकिन इस बार घर से निकलते समय उन्हें परिवार की चिंता सता रही थी। उन्होंने ऐसी व्यवस्था करने की कोशिश की कि जरूरत पड़ने पर कनाडाई सीमा के पास मौजूद अपने तैनाती स्थल तक परिवार पहुंच सके।

**मुस्लिम आबादी बढ़ने के साथ क्या बदला:** टेक्सास में मुस्लिम आबादी पिछले वर्षों में बढ़ी है। डलास-फोर्ट वर्थ महानगर क्षेत्र में 2024 में मुस्लिम आबादी करीब 1.59 लाख बताई गई, जबकि एक दशक पहले यह संख्या लगभग 79 हजार थी। टेक्सास में मुस्लिमों की कुल संख्या तीन से पांच लाख के बीच होने का अनुमान है। राज्य की कुल आबादी में उनका हिस्सा करीब एक से दो प्रतिशत बताया जाता है। हालांकि, अमेरिका की जनगणना में धर्म से जुड़ा सवाल नहीं पूछा जाता, इसलिए सटीक संख्या उपलब्ध नहीं है।

**क्या मुस्लिमों के खिलाफ राजनीति भी तेज हुई है:** टेक्सास में कट्टरपंथी इस्लाम का विरोध लंबे समय से रिपब्लिकन राजनीति का हिस्सा रहा है। लेकिन मुस्लिम आबादी बढ़ने के साथ इस विरोध को लेकर बहस भी तेज हुई है। न्यूयॉर्क में जोहरान ममदानी के मेयर बनने और मिशिगन में सीनेट के लिए अब्दुल एल-सईद जैसे मुस्लिम नेताओं की राजनीतिक सफलता ने भी राष्ट्रीय स्तर पर इस समुदाय को लेकर चर्चा बढ़ाई है। मुस्लिम नेताओं का कहना है कि इससे राजनीतिक बयानबाजी का असर स्थानीय स्तर पर भी दिखाई दे रहा है।

**टेक्सास सरकार पर क्या आरोप लगाए जा रहे हैं:** मुस्लिम संगठनों का आरोप है कि मामला केवल नेताओं की बयानबाजी तक सीमित नहीं है। उनके मुताबिक, टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट और अटॉर्नी जनरल केन पैक्सटन जैसे नेताओं ने कुछ मुस्लिम संस्थाओं की जांच शुरू की है। एबॉट ने उन हवाईअड्डों की सरकारी फंडिंग रोकने की धमकी भी दी, जहां मुस्लिम यात्रियों के लिए वजू की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। इन कदमों को लेकर मुस्लिम समुदाय में चिंता बढ़ी है।

**क्या धमकी और विरोध की घटनाएं भी सामने आई हैं:** कुछ मामलों में मुस्लिम समुदाय के लोगों को सीधे धमकियों और विरोध का सामना करना पड़ा। ह्यूस्टन के एक इस्लामिक सेंटर को धमकी देने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। कॉनरो में एक महिला ने एक किराने की दुकान पर मुस्लिम ग्राहकों से कथित तौर पर कहा कि इस राज्य या देश में उनका स्वागत नहीं है। मैककिने में एक मस्जिद के विस्तार से जुड़ी सिटी काउंसिल की बैठक में भी मुस्लिम विरोधी संदेश के साथ एक घटना सामने आई।

**चुनावी बयानबाजी कितनी तीखी हो गई:** हालिया चुनाव के दौरान रिपब्लिकन नेता बो फ्रेंच की एक सोशल मीडिया पोस्ट ने भी विवाद खड़ा किया। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने लिखा कि वह तब तक चैन से नहीं बैठेंगे, जब तक हर मुस्लिम वहां से चला नहीं जाता। ऐसी बयानबाजी को मुस्लिम नेता गंभीर मान रहे हैं।

उनका कहना है कि 9/11 के बाद लंबे समय में मुस्लिमों के खिलाफ नफरत का माहौल कम हुआ था, लेकिन अब उन्हें एक बार फिर वैसा ही माहौल लौटता दिखाई दे रहा है।

## पिया डांडिया ने फ्लोरिडा में डेमोक्रेटिक पार्टी का प्राइमरी चुनाव जीता; अब किससे होगा मुकाबला

**वाशिंगटन, एजेंसी।** भारतीय मूल की अमेरिकी और स्कूल की पूर्व प्रिंसिपल पिया डांडिया ने फ्लोरिडा के 22वें कांग्रेस क्षेत्र के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी का प्राथमिक चुनाव जीत लिया है। अब नवंबर में होने वाले चुनाव में उनका मुकाबला रिपब्लिकन पार्टी के कैसी असकर से होगा। कैसी असकर पूर्व नौसैनिक हैं। डांडिया को 68.6 फीसदी मत मिले। उन्होंने वकील कायसिया अर्ली को हराया, जिन्हें 31.4 फीसदी मत मिले।

**पिया डांडिया ने क्या कहा:** डांडिया ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, फ्लारिडा-22, इस अभियान पर विश्वास करने के लिए धन्यवाद। मैं अपने छात्रों, अपने बेटे और इस जिले में बड़े हो रहे हर उस बच्चे के लिए चुनाव में उतरी, जो बेहतर भविष्य का हकदार है। उन्होंने कहा, साथ मिलकर हम खर्च कम करने, भ्रष्टाचार खत्म करने और वॉशिंगटन को फिर से हमारे लिए काम करने वाला बनाने के अभियान को आगे बढ़ाएंगे। मैं आप सभी के साथ यह करने के लिए आभारी हूं। डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी (डीएनसी) ने प्राथमिक चुनाव में डांडिया की जीत पर उन्हें बधाई दी। कमेटी ने एक बयान में कहा, एक शिक्षिका और अपने समुदाय में लंबे समय से नेतृत्व करने वाली पिया ने लोगों के लिए नए अवसर बढ़ाने और कामकाजी परिवारों के लिए लड़ने के लिए खुद को समर्पित किया है। वह दक्षिण फ्लोरिडा के परिवारों के लिए किराने का सामान, स्वास्थ्य सेवाओं और घर की लागत कम करने के लिए कांग्रेस में लड़ने के लिए तैयार हैं। बयान में कहा गया।

## माता का दरबार सेवा समिति ने आयोजित किया विशाल भंडारा

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** माता का दरबार सेवा समिति द्वारा हर वर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी खन्ना चौराहा स्थित कल्पना स्टूडियो के पास विशाल भंडारे का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया आयोजन के दौरान भगवान भोलेनाथ की विशाल एवं आकर्षक झांकी सजाई गई, जिसके दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे पूरे कार्यक्रम स्थल पर भक्तिमय वातावरण बना रहा कार्यक्रम की शुरुआत भगवान भोलेनाथ की झांकी के दर्शन एवं भजन-कीर्तन से हुई भजन-कीर्तन में श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ सहभागिता की धार्मिक गीतों और भजनों से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ के दर्शन कर सुख-समृद्धि एवं परिवार की मंगलकामना की।

भजन-कीर्तन के पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों ने प्रसाद ग्रहण किया समिति के सदस्यों ने पूरे उत्साह और श्रद्धाभाव के साथ श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया तथा व्यवस्थाओं में सक्रिय भूमिका निभाई आयोजन के दौरान सेवा और सहयोग की भावना देखने को मिली माता का दरबार सेवा समिति की ओर से भगवान भोलेनाथ से प्रार्थना की गई कि समिति के सभी सदस्यों पर उनका आशीर्वाद सदैव बना रहे तथा सभी सदस्य इसी प्रकार समाज एवं धर्म की सेवा में निरंतर योगदान देते रहें समिति के सदस्यों ने कहा कि धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों के माध्यम से सेवा, सद्भाव और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देना समिति का प्रमुख उद्देश्य है भंडारे एवं सेवा कार्य में विशेष रूप से राजेंद्र निगम, बिहारी लाल ताम्रकार, अमित ताम्रकार, प्रतीक पांडे, कारू भाई, तेजमोहन प्रणामी, विनोद गुप्ता, किशोर चेलानी, राजेश ताम्रकार (बड़े बाबू), सिद्धार्थ खटिक, गोलू विधवानी, सतीश ताम्रकार, अनीश गुप्ता, अर्जुन उइके, विभु सूरी, सुरेश बिश्नोई, पप्पू भाई ताम्रकार सहित समिति के अन्य सदस्यों ने सक्रिय रूप से सेवाएं प्रदान कीं।

## बरगवां रेलवे पटरी पर अज्ञात युवक का शव मिला, ट्रेन की चपेट में आने की आशंका

**मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)।** जिले के बरगवां थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात रेलवे पटरी पर एक अज्ञात युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई शव सब्जी मंडी के पीछे रेलवे अंडरब्रिज के पास मिला सूचना मिलने के बाद बरगवां थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। स्थानीय लोगों ने देर रात रेलवे पटरी के पास शव पड़ा देखा, जिसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई पुलिस की प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि युवक की मौत ट्रेन की चपेट में आने से हुई है हालांकि घटना के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी बरगवां थाना पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है साथ ही युवक की पहचान कराने के लिए आसपास के क्षेत्रों में भी जानकारी जुटाई जा रही है पुलिस रेलवे पटरी के आसपास मिले संभावित साक्ष्यों और स्थानीय लोगों से प्राप्त जानकारी के आधार पर मामले की जांच कर रही है बरगवां थाना प्रभारी अनिल पटेल ने बताया कि सूचना मिलने के बाद शव को रात में ही पोस्टमार्टम के लिए रखवा दिया गया था। बुधवार सुबह तक भी मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी थी पुलिस टीम आसपास के गांवों और क्षेत्रों से जानकारी एकत्रित कर युवक की पहचान करने का प्रयास कर रही है पुलिस का कहना है कि मृतक की पहचान होने के बाद ही उसकी उम्र, निवास स्थान और घटना से जुड़ी अन्य जानकारियां स्पष्ट हो सकेंगी फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और विभिन्न पहलुओं से जानकारी जुटाई जा रही है।

## रीवा में बेलन नदी उफान पर, पुल के ऊपर से बह रहा पानी

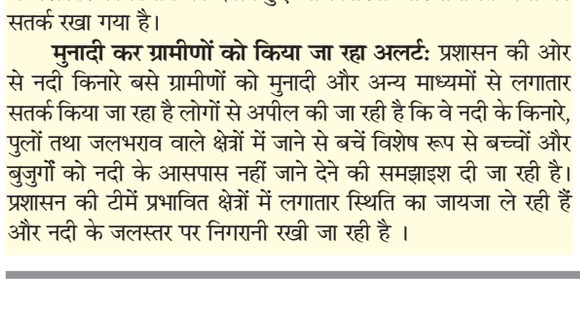

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** जिले के तराई अंचल में लगातार हो रही बारिश और बांधों से पानी छोड़े जाने के बाद बेलन नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है बुधवार को नदी का पानी डीह पुल के ऊपर से बहने लगा जलस्तर बढ़ने के कारण क्षेत्र के करीब 12 गांवों का संपर्क एक बार फिर प्रभावित हो गया है वहीं चाकघाट स्थित शंकरघाट मंदिर के गर्भगृह तक भी बाढ़ का पानी पहुंच गया है स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने नदी किनारे और प्रभावित क्षेत्रों में अलर्ट जारी किया है।

**बांधों से पानी छोड़े जाने के बाद बढ़ा जलस्तर:** बताया गया कि रीवा के बाकिया बैराज के साथ उत्तर प्रदेश स्थित मेजा और अदवा डैम से पानी छोड़े जाने के बाद बेलन नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है नदी के उफान पर आने से डीह पुल के ऊपर से पानी बह रहा है जिससे आवागमन प्रभावित हुआ है ग्रामीणों को सुरक्षित रहने की सलाह दी जा रही है प्रशासन के अनुसार डीह, कैथा, गंथा, बजरा, सोनौरी कटरा, बसहट और कठौली सहित आसपास के क्षेत्रों में फिलहाल बाढ़ की स्थिति नहीं बनी है हालांकि नदी का जलस्तर इसी तरह बढ़ता रहा तो इन गांवों में भी खतरा उत्पन्न हो सकता है प्रशासन द्वारा संवेदनशील क्षेत्रों पर लगातार नजर रखी जा रही है।

**नैना नदी का भी बढ़ा जलस्तर:** बेलन नदी के साथ नैना नदी का जलस्तर भी बढ़ने की जानकारी सामने आई है इसके चलते रेरूआ और गाड़रपुर्वा क्षेत्र में भी प्रशासन निगरानी कर रहा है नदी और निचले इलाकों में जलस्तर की स्थिति को देखते हुए अधिकारियों और संबंधित टीमों को सतर्क रखा गया है।

**मुनादी कर ग्रामीणों को किया जा रहा अलर्ट:** प्रशासन की ओर से नदी किनारे बसे ग्रामीणों को मुनादी और अन्य माध्यमों से लगातार सतर्क किया जा रहा है लोगों से अपील की जा रही है कि वे नदी के किनारे, पुलों तथा जलभराव वाले क्षेत्रों में जाने से बचें विशेष रूप से बच्चों और बुजुर्गों को नदी के आसपास नहीं जाने देने की समझाइश दी जा रही है। प्रशासन की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में लगातार स्थिति का जायजा ले रही हैं और नदी के जलस्तर पर निगरानी रखी जा रही है ।

**रीति पाठक के 'बिना वादे चुनाव जीत जाती हूं' बयान पर उठे सवाल**

# सीधी विधायक बोलीं- 'मेरा सपना पूरा हो रहा है, लेकिन श्रेय शायद नहीं मिलेगा', महिला ने चुनावी आश्वासन याद दिलाकर पुल निर्माण पर पूछा सवाल

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** सीधी विधायक रीति पाठक का एक बयान बुधवार को सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद राजनीतिक चर्चा तेज हो गई है स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वृद्धाश्रम में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान विधायक ने अपने राजनीतिक सफर और चुनाव जीतने को लेकर टिप्पणी की उन्होंने कहा कि उन्होंने अब तक चार चुनाव जीते हैं लेकिन जनता से कभी चुनावी वादा नहीं किया उन्होंने सांसद रहते हुए भी चार जिलों में बिना वादे के चुनाव जीतने की बात कही कार्यक्रम के दौरान विधायक रीति पाठक ने यह भी कहा कि उनका सपना पूरा हो रहा है, लेकिन उसका श्रेय शायद उन्हें नहीं मिलेगा उन्होंने कहा कि कोई बात नहीं लोग जानते हैं कि उस दिशा में प्रयास उन्होंने ही किया है विधायक के इस बयान को सीधी से जुड़ी सिंगरौली और ललितपुर रेल लाइन परियोजना से जोड़कर देखा जा रहा है सांसद रहते हुए रीति पाठक ने इस परियोजना को लेकर सक्रियता दिखाई थी और इसके लिए प्रयास किए जाने की बात सामने आती रही है वर्तमान में सीधी लोकसभा क्षेत्र से डॉ. राजेश मिश्रा सांसद हैं। ऐसे में विधायक के 'श्रेय नहीं मिलेगा' वाले बयान को राजनीतिक टिप्पणी के तौर पर देखा जा रहा है हालांकि विधायक ने अपने बयान में किसी व्यक्ति का नाम लेकर कोई सीधा आरोप नहीं लगाया।

**सोशल मीडिया पर सामने आया महिला का वीडियो:** विधायक के बयान के बाद सीधी विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत भाठा की निवासी सुषमा का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया महिला ने विधायक द्वारा चुनाव के दौरान किए गए कथित आश्वासन को लेकर सवाल उठाया है महिला सुषमा का दावा है कि चुनावी सभा के दौरान विधायक रीति पाठक ने भाठा ग्राम पंचायत के नाले पर पुल और बांध निर्माण का आश्वासन दिया था महिला के अनुसार, चुनाव के दौरान ग्रामीणों के सामने कहा गया था कि भाजपा की सरकार बनने और चुनाव जीतने के बाद नाले पर पुल का निर्माण कराया जाएगा अब काफी समय बीतने के बाद भी पुल का निर्माण नहीं होने पर महिला ने विधायक से सवाल किया है।

**बारिश में ग्रामीणों की बढ़ती परेशानी:** महिला का कहना है कि भाठा ग्राम पंचायत के नाले पर पुल नहीं होने के कारण बारिश के मौसम में ग्रामीणों को काफी परेशानी होती है बारिश के दौरान नाला उफान पर आने से आवागमन प्रभावित हो जाता है ग्रामीणों के साथ बच्चों को भी आने-जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है ऐसे में लंबे समय से पुल निर्माण की मांग की जा रही है महिला ने सवाल उठाते हुए कहा कि यदि चुनाव के दौरान पुल और बांध निर्माण का आश्वासन दिया गया था तो अब तक उस पर काम क्यों शुरू नहीं हुआ उनका कहना है कि बरसात के समय समस्या और गंभीर हो जाती है और ग्रामीणों को जोखिम उठाकर आवागमन करना पड़ता है। विधायक के 'बिना वादे चुनाव जीत जाती हूं' वाले बयान और इसके बाद महिला द्वारा कथित चुनावी आश्वासन को लेकर सवाल उठाए जाने से स्थानीय स्तर पर राजनीतिक चर्चा शुरू हो गई है। एक ओर विधायक के बयान को उनके राजनीतिक अनुभव और विकास कार्यों के प्रयासों से जोड़कर देखा जा रहा है वहीं दूसरी ओर महिला के वीडियो ने चुनावी वादों और उनके क्रियान्वयन को लेकर सवाल खड़े किए हैं।

# बिजली समस्या को लेकर गोविंदगढ़ में धरना-प्रदर्शन, ट्रांसफार्मर लगाने का आश्वासन

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** ओढ़की एवं अमिलिकी क्षेत्र में लंबे समय से बनी विद्युत समस्या, बार-बार बिजली बाधित होने तथा कम क्षमता वाले ट्रांसफार्मर के कारण परेशान ग्रामीणों ने बुधवार को विद्युत मंडल गोविंदगढ़ के कनिष्ठ यंत्री कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया ग्रामीणों ने विद्युत व्यवस्था तत्काल दुरुस्त करने और क्षेत्र की आवश्यकता के अनुरूप पर्याप्त क्षमता का ट्रांसफार्मर लगाए जाने की मांग की। धरना-प्रदर्शन का नेतृत्व ओढ़की निवासी अजीत तिवारी ने किया आंदोलन में विपुल तिवारी, रामायण पटेल, गुलशन शुक्ला और राम सिंह सहित ओढ़की एवं अमिलिकी क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों, युवाओं और अन्य ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने विद्युत विभाग के अधिकारियों के समक्ष क्षेत्र में लंबे समय से बनी बिजली की समस्या को प्रमुखता से रखा ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में बार-बार विद्युत आपूर्ति बाधित होने से दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है पर्याप्त क्षमता का ट्रांसफार्मर नहीं होने के कारण भी विद्युत व्यवस्था पर असर पड़ रहा है बिजली की अनियमित आपूर्ति से किसानों को सिंचाई में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है वहीं विद्यार्थियों की पढ़ाई और छोटे व्यापारियों के कामकाज पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है आम नागरिक भी लंबे समय से समस्या के समाधान की मांग कर रहे हैं धरना-प्रदर्शन के दौरान विद्युत विभाग के संबंधित अधिकारियों ने ग्रामीणों से चर्चा की और समस्या के समाधान के लिए आवश्यक क्षमता का ट्रांसफार्मर लगाए जाने का आश्वासन दिया अधिकारियों के आश्वासन के बाद प्रदर्शनकारियों ने धरना समाप्त किया ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि विभाग जल्द ही कार्रवाई करते हुए क्षेत्र में ट्रांसफार्मर स्थापित करेगा और विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु किया जाएगा आंदोलन का नेतृत्व कर रहे अजीत तिवारी ने कहा कि बिजली क्षेत्र की मूलभूत आवश्यकता है और ग्रामीणों की इस समस्या की अनदेखी स्वीकार नहीं की जाएगी उन्होंने कहा कि यदि अधिकारियों द्वारा दिए गए आश्वासन के अनुसार समय पर ट्रांसफार्मर नहीं लगाया गया और विद्युत व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो ग्रामीणों के साथ मिलकर आगे बड़ा आंदोलन किया जाएगा जरूरत पड़ने पर जिला स्तर पर भी विरोध-प्रदर्शन किया जाएगा। धरना-प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ इस दौरान क्षेत्रवासियों ने एकजुटता दिखाते हुए अपनी मांगें विभाग के समक्ष मजबूती से रखीं अब ग्रामीणों की नजर विद्युत विभाग की आगामी कार्रवाई पर है।

**सीधी जिले में अब तक 744.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज**

## 19 अगस्त को 43.7 मिमी औसत बारिश, गोपद बनास में सर्वाधिक 76 मिमी वर्षा

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** जिले में मानसूनी बारिश का दौर जारी है 19 अगस्त को जिले में 43.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई। तहसीलवार आंकड़ों के अनुसार गोपद बनास में सर्वाधिक 76 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई वहीं सिहावल में 57.4 मिमी, बहरी में 51.8 मिमी, कुसमी में 40.2 मिमी, मझौली में 34.0 मिमी, रामपुर नैकिन में 26.5 मिमी तथा चुरहट में 20.0 मिमी वर्षा दर्ज हुई। भू-अभिलेख एवं भू-संसाधन प्रबंधन विभाग के अनुसार 1 जून से 19 अगस्त 2026 तक जिले में कुल 744.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है इस अवधि में सिहावल तहसील बारिश के मामले में सबसे आगे रही, जहां अब तक 1073 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई है इसके बाद कुसमी में 920.3 मिमी, चुरहट में 691.5 मिमी, मझौली में 678.0 मिमी, गोपद बनास में 655.6 मिमी, बहरी में 654.0 मिमी तथा रामपुर नैकिन में 537.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई।

**पिछले वर्ष की तुलना में कम बारिश:** आंकड़ों के मुताबिक इस वर्ष अब तक जिले में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में कम बारिश हुई है गत वर्ष 1 जून से 19 अगस्त तक जिले में 988.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई थी इसके मुकाबले इस वर्ष अब तक 244.5 मिमी कम वर्षा रिकॉर्ड हुई है बारिश के इन आंकड़ों से जिले में मानसून की स्थिति का आकलन किया जा रहा है प्रशासन और संबंधित विभाग तहसीलवार वर्षा की स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं विशेष रूप से अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में जलभराव एवं अन्य संभावित परिस्थितियों को देखते हुए स्थानीय स्तर पर निगरानी की जा रही है।

## छह माह की इंटर्नशिप से विद्यार्थियों को मिलेगा व्यावहारिक अनुभव, रोजगार के लिए होंगे तैयार

**एईडीपी कार्यक्रम में 29 बीकॉम विद्यार्थियों का इंटर्नशिप के लिए सफल साक्षात्कार**

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** संजय गांधी स्मृति शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीधी में एईडीपी कार्यक्रम के अंतर्गत बीकॉम अंतिम वर्ष के 29 विद्यार्थियों के लिए छह माह की इंटर्नशिप हेतु चयन साक्षात्कार आयोजित किया गया महाविद्यालय की इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना और उन्हें भविष्य के रोजगार के लिए तैयार करना है महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह के निर्देशन में आयोजित चयन प्रक्रिया का समन्वय एवं संचालन एईडीपी कोर्स कोऑर्डिनेटर डॉ. गुलाम मोहिउद्दीन ने साक्षात्कार के माध्यम से विद्यार्थियों की शैक्षणिक योग्यता, कौशल, संचार क्षमता और कार्यक्षमता का आकलन किया गया चयनित विद्यार्थियों को वी-मार्ट के भोपाल एवं इंदौर स्थित प्रतिष्ठानों में छह माह की इंटर्नशिप का अवसर उपलब्ध कराया जाएगा। साक्षात्कार के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और अपनी शैक्षणिक योग्यता के साथ संचार कौशल एवं व्यावहारिक दक्षता का प्रदर्शन किया विद्यार्थियों ने चयन प्रक्रिया के दौरान पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देकर अपनी कार्यक्षमता और आत्मविश्वास का परिचय दिया इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह एवं भौतिक शास्त्र विभागाध्यक्ष अरविंद त्रिपाठी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

## सीधी की 2.08 लाख से अधिक लाड़ली बहनों के खातों में पहुंचा रक्षाबंधन शगुन

**मुख्यमंत्री ने सिंगल क्लिक से अंतरित की राशि, प्रत्येक महिला के खाते में पहुंचे 1750 रुपए**

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को मैहर जिले में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की पात्र हितग्राहियों के बैंक खातों में सिंगल क्लिक के माध्यम से राशि अंतरित की प्रदेशभर की करीब 1.25 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में कुल 2,148 करोड़ रुपए की राशि भेजी गई इसमें योजना की नियमित मासिक सहायता राशि के साथ रक्षाबंधन के अवसर पर दिए जाने वाला अतिरिक्त शगुन भी शामिल है सीधी जिले में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की 2 लाख 08 हजार 369 पात्र महिलाओं को इस राशि का लाभ मिला प्रत्येक महिला के खाते में 1,500 रुपए की मासिक सहायता राशि के साथ 250 रुपए अतिरिक्त रक्षाबंधन शगुन के रूप में अंतरित किए गए इस तरह प्रत्येक पात्र महिला के खाते में कुल 1,750 रुपए पहुंचे जिले की महिलाओं के खातों में कुल 36 करोड़ 19 लाख रुपए से अधिक की राशि अंतरित की गई जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रवेश मिश्रा ने बताया कि सीधी जिले में योजना के सभी पात्र हितग्राहियों के खातों में राशि का अंतरण किया गया है। योजना का लाभ जिले के ग्रामीण और नगरीय दोनों क्षेत्रों की पात्र महिलाओं को मिला है राशि सीधे बैंक खातों में पहुंचने से हितग्राहियों को योजना का लाभ आसानी से प्राप्त हुआ।

**जनपद पंचायतों की महिलाओं को मिला लाभ:** ग्रामीण क्षेत्रों में जनपद पंचायत कुसमी की 17,290 महिलाओं के खातों में राशि अंतरित की गई। इसी प्रकार मझौली जनपद पंचायत की 29,024, रामपुर नैकिन की 43,764, सीधी जनपद पंचायत की 54,275 तथा सिहावल जनपद पंचायत क्षेत्र की 51,285 पात्र महिलाओं को योजना की राशि का लाभ मिला।

**त्योहारों पर शांति, सुरक्षा और सौहार्द बनाए रखने कलेक्टर ने दिए निर्देश**

# मिलाद-उन-नबी, रक्षाबंधन, जन्माष्टमी एवं गणेश उत्सव की तैयारियों की समीक्षा, जुलूस और विसर्जन के लिए सुरक्षा व्यवस्था पर जोर

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** आगामी मिलाद-उन-नबी, रक्षाबंधन, जन्माष्टमी एवं गणेश चतुर्थी पर्वों को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से बुधवार को जिला शांति समिति की बैठक आयोजित की गई जिला पंचायत सभाकक्ष में कलेक्टर विकास मिश्रा की अध्यक्षता में हुई बैठक में कानून-व्यवस्था, यातायात, साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत, सुरक्षा सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की गई कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को पर्वों से पहले सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा कि त्योहार उत्साह, श्रद्धा और आपसी भाईचारे के साथ मनाए जाएं इसके लिए सभी आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय पहले से पूरे किए जाएं किसी भी परिस्थिति में कानून-व्यवस्था प्रभावित नहीं होनी चाहिए उन्होंने आयोजन स्थलों, जुलूस मार्गों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में समय रहते आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के निर्देश दिए।

**मिलाद-उन-नबी पर जुलूस मार्ग की व्यवस्था:** मिलाद-उन-नबी के अवसर पर जुलूस मार्ग में साफ-सफाई, पेयजल, यातायात और सुरक्षा की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए जुलूस के लिए नियमानुसार अनुमति लेना अनिवार्य रहेगा निर्धारित मार्ग की जानकारी संबंधित विभागों एवं पुलिस को उपलब्ध कराने के साथ पर्याप्त संख्या में वालेंटियर्स की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया ।

**रक्षाबंधन पर बाजार और बस स्टैंड में विशेष इंतजाम:** रक्षाबंधन पर्व के दौरान बाजारों में बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए साफ-सफाई, यातायात और सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। मिठाई दुकानों की आवश्यक जांच करने और खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित कराने को कहा गया। बस स्टैंड पर यात्रियों की बढ़ती आवाजाही को देखते हुए सुरक्षा एवं यातायात के पर्याप्त प्रबंध करने के निर्देश भी दिए गए।

**जन्माष्टमी पर मंदिरों में रहेगी विशेष व्यवस्था:** जन्माष्टमी पर्व के दौरान मंदिरों और प्रमुख धार्मिक स्थलों के आसपास साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। भीड़भाड़ वाले स्थानों पर आवश्यकतानुसार पुलिस बल एवं यातायात व्यवस्था रखने को कहा गया, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो कलेक्टर ने गणेश प्रतिमा स्थापना से पहले नियमानुसार अनुमति लेने के निर्देश दिए।

# अफसरों की कतरब्यौंत

संपादकीय

सरकार अपने साइज के नियंत्रण में अगर व्यवस्था के मानदंड बदल रही है, तो इसे प्रशासनिक सुधारों की दृष्टि से देखना होगा। नौकरशाही से अफसरशाही तक कई अनावश्यक पद या पदों का बोझ सीधे बजट से उलझ रहा है, तो इस फैसले की आमद से निश्चित रूप से सोच बदलेगा। इससे पहले धूमल सरकार ने आईएएस अधिकारियों के मंजूर पद घटाए थे, तो अब सुक्खू सरकार 153 से संख्या घटाकर 130 आईएएस अधिकारी करने जा रही है। इसके अलावा आईपीएस तथा आईएफएस अधिकारियों की संख्या भी कम करने का रास्ता चुना जा रहा है। सरकार का अनुमान है कि भारतीय प्रशासनिक सेवाओं से अफसर घटा कर ही दो सौ करोड़ बचेंगे। मुख्यमंत्री ने नौकरी के रैंक घटाने की दूसरी कोशिश एचआरटीसी के स्ट्रक्चर में होने जा रही है। मुख्यमंत्री ने डिपो के हिसाब से पद और पोस्टिंग का ऐसा खाका बनाने के निर्देश दिए हैं, जिसके तहत हर जगह डिपो का इंचार्ज आरएम स्तर का अधिकारी नहीं होगा। बेशक यह डिपो के रैंकिंग के हिसाब से होगा, तो कुछ अधिकारी कम होंगे। हमारा मानना है कि प्रदेश में कुछ डिपो कम कर देने चाहिएं। इन्हीं डिपो में से कुछ इलेक्ट्रिक कर देने चाहिएं। कुछ बस डिपो का औसत बसों के हिसाब से सही नहीं बैठ रहा है। उदाहरण के लिए एक ही दिशा में जोगिंद्रनगर, बैजनाथ, पालमपुर, नगरोटा बगवां के बाद अब कांगड़ा में इलेक्ट्रिक बस डिपो खोलने का औचित्य समझ से परे है। मात्र बीस किलोमीटर या इससे कम दूरी पर बस डिपो बनाए जाएंगे, तो घाटे की तस्वीर पर कोई रहम नहीं होगा। प्रदेश के कई विभागों में अवांछित पद केवल बजटीय बोझ डाल रहे हैं, अतः इनकी स्क्रीनिंग होनी चाहिए। इतना ही नहीं, कुछ वरिष्ठ अधिकारी शिमला के जमावड़े में केवल सजावटी बने हुए हैं। पुलिस विभाग की संरचना में क्राइम, कंट्रोल और प्रबंधन की दृष्टि से कुछ ओहदे प्रदेश भर में स्थानांतरित होने चाहिएं। इसी तरह हिमाचल के वर्गीकरण में कुछ शहरों की अहमियत से विभाग शिफ्ट होने चाहिएं। मसलन बीबीएन को आर्थिक राजधानी के तौर पर वित्तीय संस्थाएं वहां शिफ्ट होनी चाहिएं। कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर के आसपास कृषि विभाग निदेशालय, जबकि बागबानी विश्वविद्यालय के समीप संबंधित विभाग का मुख्यालय होना चाहिए। स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला की समीपता में शिक्षा विभाग का मुख्यालय बनता है, तो यह शैक्षणिक माहौल को गरिमा प्रदान करेगा। सरकार के खर्चों को ढोते वाहनों की तादाद घटाने के उपायों के साथ-साथ हेलीकॉप्टर सेवाओं के इस्तेमाल के अलावा वाहनों की पूलिंग हो सकती है। आवासीय बस्तियों से सरकारी कार्यालयों की आवाजाही के लिए अगर इलेक्ट्रिक वाहनों का कॉमन पूल बनाया जाए, तो खर्च के अलावा पर्यावरण का नुकसान भी बच जाएगा। अफसरशाही के संबोधन शिमला से राज्य के प्रमुख शहरों तक फिजूलखर्ची के सबब न बनें, इसके लिए हर विभाग को लक्ष्य देने होंगे। यहां वीरभद्र सरकार द्वारा विभागीय प्रबंधन के लिए एक बार एमबीए नियुक्ति का सोचा था, लेकिन यह व्यवस्था लागू नहीं हुई। निजी स्कूलों की सफलता में सबसे बड़ा कारण यह भी है कि वहां प्रबंधन की दृष्टि से एमबीए के टूल्स अप्लाई होते हैं। हिमाचल के सार्वजनिक प्रतिष्ठानों, अस्पतालों व प्रमुख स्कूल-कालेजों को प्रबंधकीय दृष्टि से एमबीए डिग्री होल्डर्स को प्रॉडक्ट मैनेजर या वित्तीय प्रबंधक के रूप में अवसर प्रदान करने चाहिएं।

## भारत के ऊर्जा भविष्य की नई तस्वीर

अक्षय ऊर्जा दिवस (20 अगस्त) पर विशेष

**योगेश कुमार गोयल**

पृथ्वी पर ऊर्जा के परम्परागत साधन बहुत सीमित मात्रा में उपलब्ध हैं, ऐसे में खतरा मंडरा रहा है कि यदि ऊर्जा के इन पारम्परिक स्रोतों का इसी प्रकार दोहन किया जाता रहा तो इन परम्परागत स्रोतों के समाप्त होने पर गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाएगी। यही कारण है कि पूरी दुनिया में गैर परम्परागत ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने की जरूरत महसूस की जाने लगी और इसी कारण अक्षय ऊर्जा स्रोतों से ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति करने के प्रयास शुरू हुए। अक्षय का अर्थ है, जिसका कभी क्षय न हो अर्थात् अक्षय ऊर्जा वास्तव में ऊर्जा का असीम और अनंत विकल्प है और आज के समय में यह किसी भी राष्ट्र के अक्षय विकास का प्रमुख स्तंभ भी है। पिछले कुछ वर्षों से पर्यावरणीय चिंताओं को देखते हुए ऐसी ऊर्जा तथा तकनीकें विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिनसे ग्लोबल वार्मिंग की विकराल होती समस्या से दुनिया को कुछ राहत मिल सके। किसी भी राष्ट्र को विकसित बनाने के लिए आज प्रदूषणरहित अक्षय ऊर्जा स्रोतों का समुचित उपयोग किए जाने की आवश्यकता भी है। देश में अक्षय ऊर्जा के विकास और उपयोग को लेकर जागरूकता पैदा करने के लिए ही वर्ष 2004 से हर साल 20 अगस्त को 'अक्षय ऊर्जा दिवस' भी मनाया जाता है। आज न केवल भारत में बल्कि समूची दुनिया के समक्ष बिजली जैसी ऊर्जा की महत्वपूर्ण जरूरतों को पूरा करने के लिए सीमित प्राकृतिक संसाधन हैं, साथ ही पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं। चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार इन गंभीर समस्याओं और चुनौतियों से निपटने के लिए अक्षय ऊर्जा ही एक ऐसा बेहतरीन विकल्प है, जो पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के साथ-साथ ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने में भी कारगर साबित होगी लेकिन अक्षय ऊर्जा की राह में भी कई चुनौतियां मुंह बाये सामने खड़ी हैं। अक्षय ऊर्जा उत्पादन की देशभर में कई छोटी-छोटी इकाइयां हैं, जिन्हें एक ग्रिड में लाना बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य है। इससे बिजली की गुणवत्ता प्रभावित होती है। भारत में अक्षय ऊर्जा के विविध स्रोतों का अपार भंडार मौजूद है लेकिन इनसे ऊर्जा उत्पादन करने वाले अधिकांश उपकरण विदेशों से आयात किए जाते हैं। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के अनुसार, कुछ साल पहले सौर ऊर्जा के लिए करीब 90 प्रतिशत उपकरण विदेशों से आयात किए गए थे, जिससे बिजली उत्पादन की लागत काफी बढ़ गई। अब भी भारत की सौर सेल और मॉड्यूल की जरूरत का अधिकांश हिस्सा आयात से ही पूरा हो रहा है। हालांकि हाल के वर्षों में एएलएमएम नियम और पीएलआई स्कीम के कारण यह निर्भरता घट रही है। 2023-24 में चीन से सौर सेल्स का 53 प्रतिशत और मॉड्यूल्स का 63 प्रतिशत भारत में आया। देश में ऊर्जा की मांग और आपूर्ति के बीच अंतर भी तेजी से बढ़ रहा है। देश में कुल स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता में अब बड़ा हिस्सा अक्षय ऊर्जा से प्राप्त हो रहा है, जिसमें सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, बायो-पावर और छोटे हाइड्रो प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। इसके अतिरिक्त अधिक बड़ी जल विद्युत परियोजनाओं से तथा परमाणु ऊर्जा से भी अक्षय ऊर्जा का उत्पादन किया जा रहा है। कुल बिजली उत्पादन में अब अक्षय ऊर्जा का हिस्सा अब लगातार बढ़ रहा है, जो भारत को दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल करता है। भारत में ऊर्जा खपत भी तेजी से बढ़ रही है। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) का अनुमान है कि वर्ष 2040 तक भारत में ऊर्जा की कुल मांग वर्तमान की तुलना में लगभग दोगुनी हो जाएगी। विशेषकर बिजली तथा ईंधन के रूप में उपभोग की जा रही ऊर्जा की मांग घरेलू एवं कृषि क्षेत्र के अलावा औद्योगिक क्षेत्रों में भी लगातार बढ़ रही है। औद्योगिक क्षेत्रों में ही बिजली तथा पैट्रोलियम जैसे ऊर्जा के महत्वपूर्ण स्रोतों का लगभग 55 प्रतिशत उपभोग किया जाता है।

# बालाघाट की बैगा बस्तियों में गहराता कुपोषण और सरकारी योजनाओं के दावों की कड़वी सच्चाई

**मध्यप्रदेश सरकार आदिवासी कल्याण योजनाओं के नाम पर खुद की पीठ थपथपा रही है। आहार अनुदान है, पोषण अभियान है, आंगनवाड़ी है और सबसे बड़ा दावा पीएम-जनमन का है। सरकार कहती है बैगा, भारिया, सहरिया की बहुआयामी वंचना खत्म करेंगे। लेकिन अगस्त 2026 में बालाघाट की बैगा बस्तियों से जो खबर आई है उसने सरकार के सारे दावों की हवा निकाल दी। बुखार, कुपोषण और स्वास्थ्य सुविधा के अभाव में बच्चे मर रहे हैं। इसका मतलब साफ है कि सरकार के पास योजनाएं तो बहुत हैं, पर उन्हें बैगा बस्ती तक पहुंचाने की नीयत और तंत्र दोनों फेल हैं। मध्यप्रदेश देश के सबसे बड़े आदिवासी राज्यों में है। 2011 की जनगणना के अनुसार राज्य की लगभग 21.09 प्रतिशत आबादी अनुसूचित जनजाति से आती है। राज्य की बड़ी आदिवासी आबादी ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में रहती है, जहां गरीबी, रोजगार की अस्थिरता, शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच की समस्या आज भी गंभीर है। ऐसे में बालाघाट जिले के बैगा बहुल इलाकों से अगस्त 2026 में बच्चों की लगातार मौतों की खबर बेहद ही चिंतनीय है। यह मध्यप्रदेश की आदिवासी स्वास्थ्य और पोषण नीतियों की जमीनी सफलता पर भी बड़ा सवाल है।**

**राज कुमार सिन्हा**

बिरसा विकासखंड के कोण्डेकसा, बोंदारी, मछुल्दा, कोरका और आसपास के बैगा बहुल गांवों में बुखार तथा अन्य गंभीर लक्षणों के बाद बच्चों की मौत की खबर सामने आई है। सरकारी स्तर पर मृत बच्चों की संख्या आठ बताई गई है, जबकि नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार ने 19 बच्चों की मौत का आरोप लगाया है। इसलिए अंतिम मृत्यु संख्या और बीमारी के कारणों का निर्धारण स्वतंत्र चिकित्सकीय जांच के बाद ही किया जाना चाहिए। कुछ रिपोर्टों में बुखार, चकत्ते तथा कुछ मामलों में किडनी से संबंधित गंभीर लक्षणों का उल्लेख है। लेकिन एक बात इससे अलग और कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। इन मौतों को केवल किसी एक संक्रामक बीमारी या अचानक फैली महामारी के रूप में देखकर मामला समाप्त नहीं किया जा सकता है। यदि बच्चे पहले से कुपोषित, एनीमिया से पीड़ित अथवा कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले हैं, तो सामान्य संक्रमण भी उनके लिए जानलेवा बन सकता है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-21) के अनुसार मध्यप्रदेश में पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में 35.7 प्रतिशत बौनापन, 19 प्रतिशत दुर्बलता, 33 प्रतिशत कम वजन और 6.5 प्रतिशत गंभीर दुर्बलता दर्ज की गई थी। लेकिन आदिवासी बच्चों की स्थिति इससे भी अधिक चिंताजनक रही है। जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा संसद में प्रस्तुत राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण -5 आधारित आंकड़े बताते हैं कि देश में पांच वर्ष से कम उम्र के अनुसूचित जनजाति के बच्चों में बौनापन लगभग 40.9 प्रतिशत था। इसका अर्थ है कि आदिवासी बच्चों का पोषण संकट सामान्य आबादी के संकट से अलग और अधिक गंभीर सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों से जुड़ा हुआ है। बालाघाट के बैगा समुदाय पर हुआ वैज्ञानिक अध्ययन इस संकट की स्थानीय तस्वीर और स्पष्ट करता है। बैरहर, बालाघाट में 436 परिवारों के 1,197 लोगों पर किए गए सामुदायिक अध्ययन में पाया गया कि पूर्व-स्कूली बैगा बच्चों में दुर्बलता 42.3 प्रतिशत थी, जबकि उसी संदर्भ में ग्रामीण मध्यप्रदेश के बच्चों में यह लगभग 23.8 प्रतिशत थी। वयस्कों में भी क्रोनिक एनर्जी डिफीसिएन्सी अत्यधिक थी,पुरुषों में 55.8 प्रतिशत और महिलाओं में 62.9 प्रतिशत। अध्ययन में अनाज और मोटे अनाज के अलावा अन्य खाद्य पदार्थों तथा सूक्ष्म पोषक तत्वों का सेवन अनुशंसित मात्रा से कम पाया गया।

इससे स्पष्ट है कि बैगा समुदाय का कुपोषण कोई नई घटना नहीं है। वैज्ञानिक अध्ययन वर्षों पहले चेतावनी दे चुके हैं कि पोषण संबंधी योजनाओं के बावजूद समस्या गंभीर बनी हुई है। बैगा बच्चों के मामले में कुपोषण को केवल इस आधार पर नहीं नजरअंदाज नहीं कियाजा सकता है कि परिवार को पर्याप्त अनाज मिला या नहीं।

यदि बच्चे को चावल, मक्का अथवा अन्य अनाज पर्याप्त मात्रा में मिल भी जाए, लेकिन उसके भोजन में दाल, दूध, तेल, अंडा, फल, हरी सब्जियां और पशु-आधारित प्रोटीन की पर्याप्त उपलब्धता न हो तो वह कैलोरी तो प्राप्त कर सकता है, लेकिन उसका शरीर आवश्यक प्रोटीन, आयरन, विटामिन और अन्य माइक्रोन्यूट्रिएंट से वंचित रह सकता है। यहीं सरकारी पोषण नीति की परीक्षा होती है। 2019 के एक अध्ययन ने बालाघाट के बैगा बच्चों के कुपोषण के सामाजिक कारणों की पड़ताल करते हुए पाया कि गरीबी, सार्वजनिक सेवाओं से असंतोष, सरकारी कर्मचारियों की उदासीनता और सेवाओं का कम उपयोग समस्या को बढ़ाते हैं। शोधकर्ताओं ने केवल पोषण पूरक देने के बजाय समग्र दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत बताई थी। अर्थात समस्या बच्चे की थाली से शुरू होकर स्वास्थ्य केंद्र, आंगनवाड़ी, स्कूल, सड़क, रोजगार, पानी और सरकारी तंत्र तक जाती है। विडंबना यह है कि मध्यप्रदेश में बैगा सहित विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के लिए योजनाओं की कमी नहीं है। राज्य की आहार अनुदान योजना 2017 से बैगा, भारिया और सहरिया जैसे विशेष पिछड़ी जनजातीय परिवारों को कुपोषण से मुक्ति के उद्देश्य से संचालित है। सरकारी पोर्टल पर भी इसका घोषित उद्देश्य विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों को कुपोषण से मुक्त करना बताया गया है। इसके अलावा आंगनवाड़ी और समेकित बाल विकास योजना (आईसीडीएस), पोषण अभियान, पोषण पुनर्वास केंद्र, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, आयरन-फोलिक एसिड, टीकाकरण और अन्य योजनाएं चल रही हैं। सबसे महत्वपूर्ण नीतिगत पहल प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) है। मध्यप्रदेश में बैगा, भारिया और सहरिया को पीवीटीजी के रूप में लक्षित करते हुए इसका उद्देश्य स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका, आवास, स्वच्छ पेयजल, सड़क, बिजली, दूरसंचार और अन्य बुनियादी सुविधाओं की कमी दूर करना है। बालाघाट भी पीएम-जनमन के दायरे में आने वाले जिलों में शामिल है। यानी नीति के स्तर पर सरकार स्वयं स्वीकार कर चुकी है कि पीवीटीजी समुदायों की समस्या केवल राशन या स्वास्थ्य शिविर की नहीं बल्कि बहुआयामी वंचना की समस्या है बालाघाट की वर्तमान स्थिति इसी सवाल को सामने खड़ा करती है। यदि किसी बैगा बस्ती में बच्चा गंभीर कुपोषण से गुजर रहा है, परिवार को नियमित पौष्टिक भोजन उपलब्ध नहीं है, पीने का पानी सुरक्षित नहीं है, स्वास्थ्य केंद्र कई किलोमीटर दूर है, परिवहन उपलब्ध नहीं है और बीमारी की स्थिति में अस्पताल पहुंचने में देर होती है, तो केवल आहार अनुदान या आंगनवाड़ी की मौजूदगी पर्याप्त नहीं होगी।पीएम-जनमन की मूल भावना भी यही है कि पीवीटीजी परिवारों को केवल योजना के लाभार्थी नहीं बल्कि बुनियादी अधिकारों से वंचित नागरिक के रूप में देखा जाए। सरकार ने पीवीटीजी बस्तियों के लिए आवास, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क और आजीविका को एक साथ जोड़ने का निर्णय लिया है। लेकिन बालाघाट की घटना यह बता रही है योजनाओं की सूची भले ही कितनी लंबी हो लेकिन उनका वास्तविक लाभ जरुरतमंद परिवारों तक सही से नहीं पहुंच पा रहा है।

वर्तमान मौतों के बाद केवल स्वास्थ्य शिविर लगाना पर्याप्त नहीं होगा। सबसे पहले पिछले दो-तीन महीनों में बैगा बहुल गांवों में हुई सभी बाल मृत्यु का स्वतंत्र मेडिकल ऑडिट होना चाहिए। प्रत्येक बच्चे की मृत्यु के कारण, बीमारी की अवधि, उपचार कहां मिला, अस्पताल तक पहुंचने में कितना समय लगा, पोषण स्थिति क्या थी, हीमोग्लोबिन कितना था, टीकाकरण की स्थिति क्या थी और परिवार को आंगनवाड़ी तथा स्वास्थ्य सेवाएं कितनी नियमित मिलीं, इन सभी बिंदुओं की जांच होनी चाहिए। इसके साथ ही प्रत्येक बैगा बस्ती में मासिक बाल स्वास्थ्य निगरानी प्रणाली बनाई जानी चाहिए। इसमें केवल वजन और ऊंचाई नहीं, बल्कि हीमोग्लोबिन और एनीमिया,गंभीर कुपोषण,संक्रमण, दस्त और बुखार, टीकाकरण, पानी और स्वच्छता,भोजन की विविधता, मातृ पोषण, तथा स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंच का नियमित रिकॉर्ड तैयार किया जाना चाहिए। मध्यप्रदेश सरकार के सामने अब सबसे महत्वपूर्ण सवाल बजट या नई योजना घोषित करने का नहीं, बल्कि मौजूदा योजनाओं की डिलीवरी और जवाबदेही का है। आहार अनुदान योजना यदि कुपोषण समाप्त करने के उद्देश्य से चल रही है तो सरकार को सार्वजनिक करना चाहिए कि बालाघाट के बैगा परिवारों में कितने पात्र परिवारों को इसका नियमित लाभ मिल रहा है। पीएम-जनमन यदि स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं की कमी दूर करने के लिए है तो बैगा बस्तियों में कितने स्वास्थ्य उपकेंद्र, सड़क, पेयजल, आवास और आजीविका संबंधी कार्य वास्तव में पूरे हुए हैं, इसकी ग्रामवार जानकारी सामने आनी चाहिए। इसी तरह आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों को मिलने वाले पोषण आहार की नियमितता, गुणवत्ता और वास्तविक उपस्थिति का सामाजिक ऑडिट होना चाहिए। सरकारी योजनाओं की सफलता का पैमाना यह नहीं होना चाहिए कि कितने करोड़ रुपये खर्च हुए या कितने हितग्राहियों के खाते में पैसा भेजा गया। असली पैमाना यह है कि बैगा बस्ती का बच्चा स्वस्थ है या नहीं। मृत्यु की संख्या को लेकर सरकारी और विपक्षी दावों में अंतर है। बीमारी के कारण को लेकर भी अभी अंतिम निष्कर्ष नहीं आया है। इसलिए राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बजाय स्वतंत्र चिकित्सकीय जांच जरूरी है। राज्य सरकार को विशेषज्ञ चिकित्सकों, बाल रोग विशेषज्ञों, महामारी विशेषज्ञों, पोषण विशेषज्ञों और जनजातीय स्वास्थ्य पर काम करने वाले स्वतंत्र संस्थानों की संयुक्त टीम बनानी चाहिए। यह जांच केवल वर्तमान मौतों तक सीमित न हो। पिछले वर्षों में बैगा बहुल क्षेत्रों में बाल मृत्यु, कुपोषण, एनीमिया, मातृ मृत्यु और संक्रामक रोगों के आंकड़ों का भी अध्ययन किया जाए। यदि किसी बीमारी का प्रकोप है तो उसका तत्काल पता लगना जरूरी है। लेकिन यदि मौतों के पीछे कुपोषण और स्वास्थ्य सेवाओं की संरचनात्मक कमजोरी भी है तो उसे स्वीकार करना और सुधारना उससे भी ज्यादा जरूरी है। मध्यप्रदेश में आदिवासी कल्याण की नीति लंबे समय से अनेक योजनाओं में विभाजित रही है। एक योजना पोषण देती है, दूसरी आवास, तीसरी सड़क, चौथी रोजगार और पांचवीं स्वास्थ्य सेवा। लेकिन बैगा परिवार का जीवन विभागों में विभाजित नहीं है। एक ही परिवार में मां कुपोषित हो सकती है, बच्चा एनीमिक हो सकता है, घर में सुरक्षित पानी नहीं हो सकता, रोजगार मौसमी हो सकता है और स्वास्थ्य केंद्र दूर हो सकता है। इसलिए सरकार को 'बैगा परिवार समग्र स्वास्थ्य एवं पोषण मिशन' जैसे एकीकृत मॉडल पर विचार करना चाहिए, जिसमें स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, जनजातीय कार्य, खाद्य, पंचायत, ग्रामीण विकास और जल विभाग एक साझा ग्राम-स्तरीय कार्ययोजना के तहत काम करें। हर बैगा बस्ती के लिए परिवारवार स्वास्थ्य पोषण रजिस्टर हो और गंभीर कुपोषित तथा उच्च जोखिम वाले बच्चों की निगरानी हो। जरूरत पड़ने पर मोबाइल मेडिकल यूनिट और स्थानीय भाषा समझने वाले स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की स्थायी व्यवस्था की जाए। बालाघाट के बैगा बच्चों की मौतें एक असहज लेकिन जरूरी सवाल के सामने खड़ा करती है। मध्यप्रदेश में योजनाएं हैं। बजट है। आंगनवाड़ी है। आहार अनुदान है।

# 70 का एम्स: रोगियों के दिलों में भरोसा जगाने वाला संस्थान

**ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज यानी एम्स से करीब छह-सात किलोमीटर दूर राजधानी के पृथ्वीराज रोड का शोर अचानक गायब हो जाता है जब आप यॉर्क कब्रिस्तान में घुसते हैं। गेट के ठीक बाहर एक छोटी कब्र नजर आती है। इसकी हालत देखकर लगता है कि इस पर सालों से कोई फूल नहीं चढ़ाया गया होगा। लेकिन वहाँ सोई हुई हैं राजकुमारी अमृत कौर। वो महात्मा गांधी की करीबी सहयोगी, स्वतंत्र भारत की पहली स्वास्थ्य मंत्री और एम्स की फाउंडर थीं।**

**विवेक शुक्ला**

अमृत कौर कपूरथला राजघराने से थीं। उन्होंने ऑक्सफोर्ड से शिक्षा ली और आजादी के बाद नेहरू कैबिनेट में स्वास्थ्य मंत्री बनीं। शुरुआत में एम्स कोलकाता में खोलने का प्रस्ताव था लेकिन पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री डॉ. बी.सी. रॉय को यह ठीक नहीं लगा। नतीजा यह हुआ कि कोलकाता का नुकसान और दिल्ली का फायदा हो गया। साल 1952 में इसकी आधारशिला रखी गई। 18 फरवरी 1956 को अमृत कौर ने लोकसभा में विधेयक पेश किया। 2 जून 1956 को एआईआईएमएस अधिनियम पास हुआ और संस्थान को राष्ट्रीय महत्व का स्वायत्त दर्जा मिला। वे स्वयं एम्स की पहली अध्यक्ष रहीं और अपनी मृत्यु (1964) तक शासन-व्यवस्था को मजबूत करती रहीं।

आज सात दशक बाद भी एम्स मरीजों के लिए उम्मीद और भरोसे की जगह बना हुआ है। भारत के हर कोने से रोज सैकड़ों बीमार और उनके रिश्तेदार यहाँ आते हैं। मन में यकीन होता है कि स्वस्थ होकर घर लौटेंगे। डॉक्टर, नर्स और बाकी स्टाफ हर मरीज के इलाज में जान लगा देते हैं। एम्स में समाजवादी व्यवस्था लागू रहती है। भिखारी और बड़ा सरकारी अधिकारी एक ही कतार में खड़े होते हैं। डॉक्टर किसी की हैसियत या पैसे को देखकर फर्क नहीं करते। बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश और झारखंड के मरीजों का खास यकीन दिखता है। अगर एम्स राजकुमारी अमृत कौर की सोच का नतीजा था तो पहले डायरेक्टर डॉ. बी.बी. दीक्षित ने इसे बेहतरीन अस्पताल और मेडिकल कॉलेज बनाया। वे महान डॉक्टर, अनुभवी शिक्षक और कुशल प्रशासक थे। पुणे के बी.जे. मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल रहे दीक्षित ने नियुक्तियों में योग्यता को ही आधार बनाया और रिसर्च को बढ़ावा दिया। उन्होंने शर्त रखी कि राजनीतिक दखल न हो। उनके समय में कई बेहतरीन प्रोफेसर आए। अगर एम्स पर रोगियों का भरोसा है तो इसका श्रेय यहां के उन तमाम डॉक्टरों और बाकी स्टाफ को जाता है। आप एम्स के राजेन्द्र प्रसाद नेत्र चिकित्सा केन्द्र में जाएं। यहां पर भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ राजेन्द्र प्रसाद की एक धड़ प्रतिमा रखी हुई है। इधर मधुबनी से रेटिना संबंधित जटिल सर्जरी के लिए आए सुरेन्द्र झा कह रहे थे कि बिहार में तो अनुभनी रेटिना चिकित्सक मिलते नहीं इसलिए यहां ही आना पड़ता है। वास्तव में यह कमाल की जगह है। यहां के सभी डॉक्टर सेवा भाव की मिसाल हैं। इन्होंने सैकड़ों सर्जरी की हैं और नेत्र विज्ञान के क्षेत्र में दर्जनों शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। उनकी जिस दिन ओपीडी होती थी, वे उस दिन करीब तीस-चालीस रोगियों को देखते थे। वे रोगियों को देखकर वहां पर ही बता देते थे कि उनके इलाज का क्रम किस तरह से चलेगा। जिस दिन एम्स में ऑपरेशन होते हैं, ये डॉक्टर उस दिन कई रोगियों का ऑपरेशन करते थे। इधर के नेत्र विशेषज्ञों ने रेटिना की बीमारियों के इलाज के लिए नई तकनीकों और उपचार विधियों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसमें लेजर थेरेपी, इंट्राविट्रियल इंजेक्शन, और सर्जिकल प्रक्रियाओं में सुधार शामिल हैं। इनकी विशेषज्ञता व्यापक है, जिसमें मोतियाबिंद, ग्लूकोमा, रेटिना संबंधी बीमारियां और अन्य जटिल नेत्र रोग शामिल हैं। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय अग्रवाल कहते हैं कि एम्स की तासीर में सेवा की भावना कूट-कूट कर भरी हुई है। यहाँ हर साल देशभर के मेधावी छात्र एमबीबीएस, एमएस और एमडी में दाखिले लेते हैं और आगे देश-दुनिया के बेहतरीन डॉक्टर बनते हैं। मशहूर नामों में डॉ. दीपक चोपड़ा, शिकागो यूनिवर्सिटी के प्रो. विनय कुमार, गंगाराम के लिवर ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ. अरविंदर सिंह सोइन, पूर्व डायरेक्टर डॉ. रणदीप गुलेरिया, टूटे दिलों को जोड़ने वाले डॉ. पी. वेणुगोपाल, ईएनटी विशेषज्ञ डॉ प्रतीक शर्मा, यूरोलिजिस्ट डॉ. राजीव सूद शामिल हैं। आँखों के विशेषज्ञ डॉ. जीवन सिंह तितियाल, डॉ. प्रदीप वेंकटेश और डॉ. तरुण दादा दुनिया के कुशल डॉक्टरों में गिने जाते हैं। एम्स बनने के करीब दस साल बाद 10 मार्च 1967 को डॉ. राजेंद्र प्रसाद सेंटर फॉर ऑर्थैल्मिक साइंसेज की स्थापना हुई। भारत के पहले राष्ट्रपति के नाम पर बने इस केंद्र का मंत्र है-'तमसो मा ज्योतिर्गमय'। पहले डायरेक्टर डॉ. एल.पी. अग्रवाल बोस्टन से लौटे थे। एम्स के आसपास रोज बीस-पच्चीस छोटे-बड़े भंडारे लगते हैं। ब्रेड-पकौड़ा, चाय, समोसा, कढ़ी-चावल, छोले-चावल जैसी चीजें मुफ्त बँटती रहती हैं। अंडरपास में दवा की दुकानें चौबीस घंटे खुली रहती हैं। तीन सेल्समैन, कैशियर और सहायक स्टाफ वाले काउंटर पर भीड़ लगी रहती है। जरूरत की दवा लगभग हमेशा मिल जाती है। रोज की बिक्री लाखों में बताई जाती है। बाहर इलाज कराने वाले भी अक्सर यहीं दवा लेने आते हैं। एम्स का अबतक का सफर शानदार रहा है। देश के दूसरे सरकारी और निजी अस्पतालों को इससे सीखना चाहिए। सरकार की जिम्मेदारी है कि गाँव-शहर के अस्पतालों का स्तर ऊपर उठाए। प्राइवेट अस्पताल मरीजों को बेवजह टेस्ट के लिए मजबूर न करें। एम्स ने देश के कई बड़े संकटों में भी अपनी सेवा का झंडा ऊँचा रखा। 31 अक्टूबर 1984 को जब प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर गोली चली, तो उन्हें तुरंत इसी अस्पताल में लाया गया। यहाँ के डॉक्टरों और स्टाफ ने उनकी जान बचाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी। कोविड महामारी के दौरान भी एम्स में इलाज का सिलसिला एक पल के लिए नहीं रुका। हजारों संक्रमित मरीजों का उपचार यहाँ हुआ। डॉक्टर, नर्स और अन्य कर्मी अपनी जान जोखिम में डालकर सेवा करते रहे। ऑक्सीजन, वेंटिलेटर और आईसीयू की कमी के बावजूद उन्होंने मरीजों को निराश नहीं होने दिया। एम्स वो जगह है जहाँ हुनर, सेवा और बराबरी एक साथ मिलते हैं। राजकुमारी अमृत कौर की शांत कब्र से लेकर अस्पताल के व्यस्त गलियारों और बाहर के जीवंत अंडरपास तक कहानी एक ही है। ईमानदारी से किए गए अच्छे काम का नतीजा आम लोगों का स्थायी भरोसा होता है। एम्स उसी भरोसे पर खड़ा है और लोगों की सेवा में लगा हुआ है।

# एकलव्य विद्यालयों की व्यवस्था और शिक्षा की गुणवत्ता पर कलेक्टर ने की गहन समीक्षा

## शैक्षणिक गुणवत्ता, स्वास्थ्य, सुरक्षा, खेल और अधोसंरचना को मजबूत करने एक्शन प्लान तैयार





**मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)।** जनजातीय विद्यार्थियों की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं सर्वांगीण विकास को बेहतर बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े की अध्यक्षता में जिला स्तरीय विद्यालय प्रबंधन समिति की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई बैठक में जिले में संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पोड़ीडीह एवं जनमन क्षेत्र के विद्यालयों की शैक्षणिक व्यवस्था, छात्रावास सुविधाओं, अधोसंरचना, स्वास्थ्य, सुरक्षा और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास से जुड़े विभिन्न विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई बैठक में राष्ट्रीय आदिवासी छात्र शिक्षा समिति (NESTS), नई दिल्ली के दिशा-निर्देशों के अनुरूप विद्यालयों के प्रभावी संचालन पर विशेष जोर दिया गया। कलेक्टर ने कहा कि आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत जनजाति विद्यार्थियों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सुरक्षित, अनुशासित और सकारात्मक वातावरण मिलना चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को विद्यालयों की व्यवस्था की नियमित निगरानी करने तथा विद्यार्थियों की आवश्यकताओं के अनुरूप त्वरित सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए परीक्षा परिणामों की समीक्षा कमजोर विद्यार्थियों के लिए रेमेडियल कक्षाओं पर जोर बैठक में विद्यालयवार परीक्षा परिणामों की समीक्षा की गई कलेक्टर ने कमजोर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को चिन्हित कर उनके लिए रेमेडियल यानी उपचारात्मक कक्षाएं संचालित करने के निर्देश दिए विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति की नियमित समीक्षा करते हुए विषयवार कठिनाइयों को दूर करने और अतिरिक्त शैक्षणिक सहयोग उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया उन्होंने स्मार्ट क्लासरूम और डिजिटल आईसीटी संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने को कहा ताकि विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक आधारित शिक्षा का लाभ मिल सके। शिक्षकों को विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर के अनुसार विशेष सहयोग देने और उनकी प्रगति की सतत निगरानी करने के निर्देश भी दिए गए कक्षाओं से छात्रावास तक व्यवस्था की नियमित निगरानी बैठक में विद्यालयों की अधोसंरचना एवं मूलभूत सुविधाओं की भी विस्तृत समीक्षा की गई कक्षाओं, छात्रावासों प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय खेल मैदान, पेयजल एवं स्वच्छता व्यवस्था सहित विभिन्न सुविधाओं की स्थिति पर चर्चा हुई कलेक्टर ने आवश्यक सुधार कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने तथा विद्यार्थियों को सुविधाजनक एवं अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि आवासीय विद्यालयों में विद्यार्थियों का अधिकांश समय विद्यालय और छात्रावास परिसर में व्यतीत होता है इसलिए दोनों स्थानों की व्यवस्थाएं गुणवत्तापूर्ण और सुरक्षित होना आवश्यक है आवासीय विद्यालयों में रहने वाले छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को बैठक में विशेष प्राथमिकता दी गई। विद्यार्थियों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, पोषण, प्राथमिक उपचार और काउंसलिंग की व्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दिया गया। विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर निरंतर निगरानी रखने के निर्देश दिए गए विद्यालय परिसर एवं छात्रावासों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए अग्निशमन उपकरणों, सीसीटीवी कैमरों विजिटर्स प्रबंधन तथा अन्य सुरक्षा उपायों को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि विद्यार्थियों की सुरक्षा से जुड़े किसी भी पहलू में लापरवाही नहीं होनी चाहिए बैठक में शिक्षा के साथ खेल एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों को भी विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया गया है।

## किसान से 317 क्रेट टमाटर खरीदे, 2.62 लाख नहीं दिए व्यापारी नागपुर से गिरफ्तार



**मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)।** किसान से 317 क्रेट टमाटर खरीदने के बाद 2 लाख 62 हजार 70 रुपए का भुगतान नहीं करने के मामले में सिरसौद थाना पुलिस ने एक व्यापारी को महाराष्ट्र के नागपुर से गिरफ्तार किया है आरोपी व्यापारी की पहचान उत्तर प्रदेश के कासगंज निवासी करन कुमार (35) के रूप में हुई है पुलिस बुधवार को आरोपी को शिवपुरी लेकर पहुंची और न्यायालय में पेश किया पुलिस के अनुसार, ग्राम रामखेड़ी निवासी किसान विनोद रावत ने 15 नवंबर 2025 को थाने में शिकायत दर्ज कराई थी किसान ने शिकायत में बताया था कि करन कुमार ने उससे 317 क्रेट टमाटर खरीदे थे। टमाटर की कुल कीमत 3 लाख 62 हजार 70 रुपए तय हुई थी किसान के मुताबिक व्यापारी ने टमाटर खरीदने के दौरान 1 लाख रुपए का भुगतान कर दिया था, लेकिन शेष 2 लाख 62 हजार 70 रुपए नहीं दिए कई बार मांग करने के बावजूद बकाया राशि का भुगतान नहीं किए जाने पर किसान ने पुलिस से शिकायत की शिकायत के आधार पर सिरसौद थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की पुलिस ने आरोपी व्यापारी की तलाश के लिए संभावित ठिकानों की जानकारी जुटाई जांच के दौरान आरोपी के महाराष्ट्र के नागपुर में होने की जानकारी मिली पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी करन कुमार को नागपुर से गिरफ्तार कर लिया गिरफ्तारी के बाद उसे शिवपुरी लाया गया बुधवार को पुलिस ने आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया पुलिस का कहना है कि मामले में शिकायत से जुड़े दस्तावेजों और लेन-देन की जानकारी के आधार पर जांच की जा रही है।

### आवेदन के तुरंत बाद मोहम्मद नजीर खान को मिला वॉकर

## समाज कल्याण विभाग की त्वरित एवं संवेदनशील पहल से जरूरतमंद को समय पर मिली सहायता



**मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)।** मनेंद्रगढ़ के लोको कॉलोनी वार्ड क्रमांक-13 निवासी मोहम्मद नजीर खान ने आवश्यक सहायक सामग्री प्राप्त करने के लिए आज समाज कल्याण विभाग में आवेदन प्रस्तुत किया उनकी आवश्यकता को गंभीरता से लेते हुए विभाग ने आवेदन प्राप्त होते ही तत्काल संज्ञान लिया और प्रकरण के त्वरित निराकरण की दिशा में कार्रवाई शुरू कर दी विभाग की तत्परता से आवेदक को उसी दिन आवश्यक सहायता उपलब्ध हो सकी आवेदन प्राप्त होने के बाद सहायक संचालक, समाज कल्याण विभग ने संबंधित अधिकारियों एवं विभागीय अमले को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए निर्देशों के अनुपालन में विभागीय कर्मचारियों ने बिना विलंब आवश्यक प्रक्रिया पूरी की और मोहम्मद नजीर खान को उनकी आवश्यकता के अनुरूप वॉकर उपलब्ध कराते हुए तत्काल वितरण सुनिश्चित किया। विभाग की इस त्वरित कार्रवाई से आवेदक को सहायक उपकरण के लिए अनावश्यक प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ी वॉकर मिलने पर मोहम्मद नजीर खान ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि आवेदन करने के तुरंत बाद उनकी आवश्यकता को समझते हुए जिस तरह से कार्रवाई की गई और उसी दिन वॉकर उपलब्ध कराया गया उससे उन्हें काफी राहत मिली है समाज कल्याण विभाग द्वारा जिले में जरूरतमंद, दिव्यांग एवं पात्र नागरिकों को शासन की विभिन्न योजनाओं एवं कल्याणकारी सुविधाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है विभागीय स्तर पर प्राप्त आवेदनों को प्राथमिकता के आधार पर देखते हुए पात्र हितग्राहियों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं विभाग का उद्देश्य केवल योजनाओं का संचालन करना ही नहीं, बल्कि पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ सहज, पारदर्शी, संवेदनशील एवं त्वरित तरीके से पहुंचाना है मोहम्मद नजीर खान को आवेदन के तुरंत बाद वॉकर उपलब्ध कराया जाना इसी संवेदनशील कार्यप्रणाली का उदाहरण है विभाग द्वारा भविष्य में भी जरूरतमंद नागरिकों की समस्याओं और आवश्यकताओं का प्राथमिकता के साथ निराकरण सुनिश्चित करने का प्रयास जारी रहेगा।

### बारिश में कीचड़ से गुजरते स्कूली बच्चे, डेढ़ किमी कच्ची सड़क बनी परेशानी

## शिवपुरी के वार्ड-1 के बछोरा क्षेत्र का मामला मंदिर और स्कूल जाने का मुख्य रास्ता, सालों से सड़क निर्माण का इंतजार





**मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)।** नगर पालिका शिवपुरी के वार्ड नंबर-1 के बछोरा क्षेत्र में डेढ़ किलोमीटर से अधिक लंबी कच्ची सड़क बारिश के मौसम में लोगों के लिए परेशानी का कारण बन गई है। बारिश होते ही सड़क पर कीचड़ और पानी भर जाता है इसी रास्ते से स्कूली बच्चों के साथ ग्रामीणों को भी रोजाना आवागमन करना पड़ता है सड़क की खराब हालत के कारण बच्चों को कई बार जूते हाथ में लेकर गंदे पानी और कीचड़ से होकर स्कूल जाना पड़ता है क्षेत्रवासियों के अनुसार यह रास्ता मंदिर और स्कूलों तक पहुंचने का प्रमुख मार्ग है बारिश के दौरान सड़क पर जगह-जगह पानी भरने से पैदल चलना मुश्किल हो जाता है एक छात्रा ने बताया कि वह रोज इसी रास्ते से स्कूल जाती है रास्ता खराब होने के कारण उसे घर से करीब 15 मिनट पहले निकलना पड़ता है कई बार जूते उतारकर कीचड़ और पानी से होकर गुजरना पड़ता है कई साल से सड़क निर्माण की मांग क्षेत्र की निवासी भभूति ने बताया कि सड़क की हालत कई वर्षों से खराब है। बारिश के दिनों में स्थिति और ज्यादा खराब हो जाती है उनका कहना है कि सड़क निर्माण को लेकर कई बार शिकायत की गई लेकिन अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ स्थानीय निवासी शंकर कुशवाह ने बताया कि सड़क निर्माण के लिए सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया को भी आवेदन दिया गया है उनका आरोप है कि स्थानीय स्तर पर भी समस्या की ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया पार्षद बोले- सही समय पर होगा निर्माण वार्ड पार्षद अमरदीप शर्मा ने कहा कि संबंधित रास्ता खेतों के बीच से होकर गुजरता है और यहां आबादी भी अधिक नहीं है उन्होंने बताया कि क्षेत्र की मुख्य सड़क का निर्माण हो चुका है सही समय आने पर इस रास्ते का भी निर्माण कराया जाएगा फिलहाल बारिश के मौसम में सड़क की खराब हालत से स्कूली बच्चों और स्थानीय लोगों की परेशानी बनी हुई है क्षेत्रवासियों ने सड़क निर्माण कर आवागमन सुगम बनाने की मांग की है।

## रिटायर्ड शिक्षक को ऑटो अड़ाकर लूटा, डंडा दिखाकर दी जान से मारने की धमकी

**मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)।** रतनपुर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से इलाज कराकर आधी रात को घर लौट रहे रिटायर्ड शिक्षक को ऑटो सवार बदमाशों ने रास्ता रोककर लूट लिया आरोपियों ने डंडा दिखाकर जान से मारने की धमकी दी और जेब में रखे 1200 रुपए छीनकर फरार हो गए पुलिस ने मामले में दो आरोपियों और तीन नाबालिगों समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है घटना रतनपुर थाना क्षेत्र की है ग्राम कर्रा निवासी रिटायर्ड शिक्षक युवराज सिंह प्रधान (63) सोमवार रात कान का इलाज कराने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रतनपुर गए थे। रात करीब सवा 12 बजे कार से गांव लौटते समय कृष्णा ट्रेडर्स के पास ऑटो क्रमांक CG 10 CD 7944 ने उनकी कार के आगे ऑटो अड़ाकर रास्ता रोक दिया शिक्षक के मुताबिक ऑटो से 2-3 युवक उतरे और कार का शीशा खटखटाकर उन्हें बाहर बुलाया आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए रुपए मांगे पैसे नहीं होने की बात कहने पर डंडा दिखाकर धमकाया और जेब में रखे 1200 रुपए जबरन छीन लिए शिकायत के बाद रतनपुर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की शिक्षक ने ऑटो का नंबर देख लिया था पुलिस ने इसी नंबर के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया पुलिस के अनुसार आरोपी रात में ग्रामीण इलाकों में अकेले कार सवारों को निशाना बनाते थे वाहन के आगे ऑटो अड़ाकर रास्ता रोकने के बाद लूटपाट करते थे। गिरफ्तार आरोपियों में पवन कुमार गौहर (19), राहुल दुबे (25) और तीन नाबालिग शामिल हैं।

### कृषि विस्तार अधिकारियों की हड़ताल तीसरे दिन भी जारी, 50 अधिकारी धरने पर

## HRMS में हाजिरी की लोकेशन समेत तीन मांगों को लेकर प्रदर्शन, 21 अगस्त को भोपाल में आंदोलन की तैयारी



**मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)।** कृषि विस्तार अधिकारियों की हड़ताल बुधवार को तीसरे दिन भी जारी रही। जिले के करीब 50 कृषि विस्तार अधिकारी उपसंचालक कृषि कार्यालय के सामने धरने पर बैठे हैं अधिकारियों ने अपनी तीन प्रमुख मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जल्द समाधान की मांग की अधिकारियों के काम बंद करने से किसानों से जुड़े विभागीय कार्य और मैदानी गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं कृषि विस्तार अधिकारी संघ के जिलाध्यक्ष विकास पटेल और रामनाथ चंदेले ने बताया कि अधिकारियों का अधिकांश काम मैदानी स्तर पर होता है उन्हें गांवों और खेतों में जाकर किसानों से संपर्क करना, योजनाओं की जानकारी देना और विभागीय कार्यों की निगरानी करनी होती है ऐसे में ऑनलाइन हाजिरी की वर्तमान व्यवस्था में आ रही तकनीकी और व्यावहारिक परेशानियों के कारण अधिकारियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है संघ का कहना है कि कई अधिकारियों को मुख्यालय के अलावा दूसरे गांवों में भी काम सौंपा गया है संबंधित गांवों में पहुंचने के बाद HRMS ऐप में लोकेशन आधारित हाजिरी दर्ज नहीं हो पाती इसके चलते कई बार अधिकारियों की गैरहाजिरी दर्ज हो जाती है अधिकारियों के अनुसार कुछ स्थानों को मुख्यालय बनाया गया है लेकिन वहां न तो कार्यालय की सुविधा है और न ही सरकारी आवास की व्यवस्था संघ ने बताया कि इसका असर विशेष रूप से महिला अधिकारियों पर पड़ता है इसके अलावा हाजिरी का समय निर्धारित होने के कारण फील्ड में रहने वाले अधिकारियों के सामने व्यावहारिक समस्या आती है उनका कहना है कि विभागीय कार्यों की प्रकृति को देखते हुए हाजिरी व्यवस्था में आवश्यक बदलाव किया जाना चाहिए संघ के पदाधिकारियों के अनुसार अधिकारी 20 अगस्त तक उपसंचालक कृषि कार्यालय के सामने धरना जारी रखेंगे यदि इस अवधि में सरकार ने मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया, तो 21 अगस्त को सामूहिक अवकाश लेकर भोपाल में आयोजित प्रदर्शन में शामिल होंगे अधिकारियों ने मांगों के शीघ्र निराकरण की मांग की है।

## बिलासपुर में मिठाई दुकानों पर खाद्य विभाग की कार्रवाई, गंदगी के बीच बन रही थी बर्फी



**मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)।** रक्षाबंधन नजदीक आते ही बिलासपुर में खाद्य विभाग ने मिठाई दुकानों और खाद्य सामग्री बनाने वाले स्थानों की जांच तेज कर दी है मंगलवार को लगातार दूसरे दिन विभाग की टीम ने सिरगिट्टी के नगपुरा स्थित श्रीराम स्वीट्स में जांच की। इस दौरान मिठाई बनाने वाली जगह पर गंदगी मिली। अधिकारियों के मुताबिक इसी गंदगी के बीच बर्फी तैयार की जा रही थी जिले में खाद्य सुरक्षा को लेकर एक सप्ताह का खाबो-बने रहिबो अभियान चलाया जा रहा है अभियान के तहत शहर और आसपास की मिठाई दुकानों, प्रतिष्ठानों और खाद्य सामग्री तैयार करने वाले स्थानों की जांच की जा रही है। जांच में अनियमितता मिलने पर संबंधित दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है श्रीराम स्वीट्स की जांच के दौरान खाद्य विभाग की टीम ने दुकान से पेड़े का सैंपल लिया। सैंपल को जांच के लिए लैब भेजा गया है। इसकी रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। जांच के दौरान दुकान में करीब 15 किलो बर्फी भी मिली, जिसे अधिकारियों ने मौके पर ही नष्ट करा दिया खाद्य विभाग ने दुकान का खाद्य लाइसेंस निलंबित करते हुए प्रतिष्ठान को बंद करा दिया। विभाग की कार्रवाई के बाद दुकान संचालक को खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं दो दुकानों से घी के सैंपल लिए अभियान के तहत विभागीय टीम ने दो अन्य दुकानों से घी के सैंपल भी लिए हैं दोनों सैंपल जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं रिपोर्ट के आधार पर संबंधित दुकानों के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जाएगी इससे पहले सोमवार को टीम ने व्यापार विहार और शनिचरी बाजार में भी खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच की थी।

### जलाशय से समृद्धि तक का सफर, 54 केजो ने बदली मछुआ समिति की तस्वीर

## वैज्ञानिक मत्स्य पालन से 30-40 टन उत्पादन, 50 लाख तक पहुंची आय 23 सदस्यों को लाभांश और 20 से अधिक लोगों को मिला रोजगार



**मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)।** कभी केवल पानी के स्रोत के रूप में पहचाना जाने वाला ग्राम शंकरगढ़ का 10.70 हेक्टेयर जलाशय आज ग्रामीण आजीविका रोजगार और आर्थिक आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिख रहा है यह कहानी है ब्लू-लाईन मछुआ सहकारी समिति मर्यादित मनेन्द्रगढ़ की, जिसने पारंपरिक मत्स्य पालन से आगे बढ़कर आधुनिक केज कल्चर तकनीक को अपनाया और जलाशय की क्षमता को आय के स्थायी स्रोत में बदल दिया समिति के अध्यक्ष संतोष मांझी के नेतृत्व में 23 सदस्यीय समिति ने मत्स्य विभाग के सहयोग और तकनीकी मार्गदर्शन से वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत जलाशय में 54 केज स्थापित किए। इन केजो में मोनोसेक्स तिलिपया एवं पंगाशियस का वैज्ञानिक तरीके से पालन शुरू किया गया आज यही 54 केज समिति की आर्थिक प्रगति के प्रमुख आधार बन चुके हैं ब्लू-लाईन मछुआ सहकारी समिति का पंजीयन 29 अक्टूबर 2021 को हुआ समिति ने ग्राम शंकरगढ़ स्थित जलाशय को लीज पर लेकर मत्स्य पालन शुरू किया लेकिन पारंपरिक पद्धति से उत्पादन सीमित था समिति के सदस्यों ने महसूस किया कि उपलब्ध जल संसाधन का बेहतर उपयोग आधुनिक तकनीक के माध्यम से ही संभव है इसी सोच के साथ समिति ने केज कल्चर को अपनाया। मत्स्य विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन और प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के सहयोग से 54 केज स्थापित हुए इसके बाद मछलियों के बीज आहार, स्वास्थ्य, वृद्धि और जल गुणवत्ता की नियमित निगरानी शुरू हुई वैज्ञानिक प्रबंधन से मत्स्य पालन अधिक व्यवस्थित हुआ और उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई वर्तमान में समिति के 54 केजो में मोनोसेकस तिलापिया एवं पंगाशियस का पालन किया जा रहा है गुणवत्तापूर्ण मत्स्य बीज, संतुलित एवं प्रोटीन युक्त आहार और नियमित स्वास्थ्य निगरानी को उत्पादन का आधार बनाया गया है मछलियों की उम्र, आकार और वृद्धि के अनुसार आहार की मात्रा तय की जाती है केजो की नियमित देखभाल, जल की गुणवत्ता की जांच, मछलियों के स्वास्थ्य की निगरानी और समय पर प्रबंधन से उत्पादन प्रक्रिया को व्यवस्थित रखा जाता है इसी वैज्ञानिक पद्धति का परिणाम है कि समिति को वर्तमान में लगभग 30 से 40 टन मछली उत्पादन प्राप्त हो रहा है समिति की सफलता का सबसे बड़ा प्रमाण इसके आर्थिक परिणाम हैं बेहतर बाजार मूल्य मिलने पर मछलियों की बिक्री से समिति को लगभग 45 से 50 लाख रुपये तक की आय प्राप्त हो रही है इसमें लगभग 30-35 लाख रुपये का चारा, 2-3 लाख रुपये मत्स्य बीज, 4-5 लाख रुपये मजदूरी तथा 1-2 लाख रुपये दवाइयों एवं अन्य प्रबंधन कार्यों पर खर्च होते हैं प्रमुख खर्चों के बाद समिति को लगभग 8 से 12 लाख रुपये तक का शुद्ध लाभ प्राप्त हो रहा है इस आय का सीधा लाभ समिति के 23 सदस्यों को मिल रहा है।

## शिविर में 64 लंबित वेतन निर्धारण और पेंशन प्रकरणों का निराकरण

**मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)।** मनेंद्रगढ़ संभागीय कोष लेखा एवं पेंशन, अंबिकापुर (सरगुजा संभागीय कार्यालय) द्वारा बुधवार को विशेष शिविर आयोजित किया गया शिविर में जिला कोरिया और मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के कुल 64 लंबित प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण किया गया कोषालय अधिकारी मनबोध यादव ने बताया कि शिविर में 51 लंबित वेतन निर्धारण प्रकरण और 13 पेंशन प्रकरणों का निपटारा किया गया शिक्षा गृह वन कोषालय खनिज राज्य कर और आदिवासी विकास विभाग सहित विभिन्न विभागों से संबंधित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर हल किया गया।

# गड्ढे में डूबने से 11 साल के बच्चे की मौत

## खंडवा में पुलिस ने तलाश करने से किया इनकार, लोगों ने पानी में उतरकर खोजा शव

**मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)।** खंडवा में 11 साल के बच्चे की पानी में डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान अजीम के रूप में हुई है। वह सोमवार दोपहर से लापता था। देर रात चीरा खदान के गड्ढे के पास उसके कपड़े और चप्पल मिले। इसके बाद परिजनों और रहवासियों को उसके पानी में डूबने की आशंका हुई।

मंगलवार को स्थानीय लोगों ने खदान के गहरे गड्ढे में तलाश शुरू की। काफी मशक्कत के बाद अजीम का शव पानी के अंदर मिला। उसे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद इलाके में मातम है। रहवासियों में प्रशासन के खिलाफ नाराजगी भी है।

**दोपहर से लापता था, रात में मिले कपड़े और चप्पल:** परिजनों के अनुसार, अजीम सोमवार दोपहर घर से निकला था। इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। काफी देर तक घर नहीं पहुंचने पर परिवार ने आसपास

के मोहल्लों, रास्तों और संभावित जगहों पर उसकी तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चला। रात में चीरा खदान के गड्ढे के पास अजीम के कपड़े और चप्पल मिले। इससे परिजनों को उसके पानी में गिरने की आशंका हुई। पुलिस को भी सूचना दी गई। परिजनों का आरोप है कि रात में तलाश करने के बजाय सुबह तलाश करने की बात कही गई। इसके बाद स्थानीय लोग खुद गड्ढे में उतरकर उसकी तलाश में जुट गए।

**पानी में उतरकर लोगों ने खोजा शव:** रात में अंधेरा होने और गड्ढे में ज्यादा पानी होने से तलाश करना मुश्किल था। इसके बावजूद मोहल्ले के लोगों ने पानी में उतरकर खोजबीन की। काफी प्रयास के बाद अजीम पानी के अंदर मिला। उसे बाहर निकालकर जिला अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

### ● बारिश में तालाब जैसा हो जाता है गड्ढा:

घटना के बाद चीरा खदान के गड्ढे की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय निवासी छोटे खान ने आरोप लगाया कि खदान के दोनों तरफ अब कॉलोनियां विकसित हो चुकी हैं। बड़ी संख्या में लोग यहां रहते हैं, लेकिन गहरे गड्ढे को अब तक सुरक्षित नहीं किया गया है। रहवासियों के मुताबिक, बारिश में गड्ढे में पानी भर जाता है और यह तालाब जैसा दिखाई देने लगता है। आसपास रहने वाले बच्चों के लिए यह खतरा बना रहता है। लोगों का कहना है कि गड्ढे के आसपास पर्याप्त बैरिकेडिंग भी नहीं है।

### ● खदान में पहले भी हादसे हुए:

स्थानीय लोगों का दावा है कि चीरा खदान के इस गड्ढे में पहले भी डूबने की घटनाएं हो चुकी हैं। लोगों की जान जाने के बावजूद गड्ढे को बंद कराने या सुरक्षित करने के लिए स्थायी कदम नहीं उठाए गए। अजीम की मौत के बाद रहवासियों ने प्रशासन से मौके का निरीक्षण कर गड्ढे को सुरक्षित कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि ऐसे खुले और पानी से भरे गड्ढों की पहले से पहचान कर सुरक्षा व्यवस्था की जानी चाहिए।

# मंदसौर में कार से 100 किलो डोडाचूरा जत

## बिना नंबर की स्विफ्ट बरामद, आरोपी गिरफ्तार, नेटवर्क की जांच जारी

**मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)।** मंदसौर की नारायणगढ़ पुलिस ने मंगलवार को वाहन चेकिंग के दौरान कार से 100 किलो डोडाचूरा पकड़ा है। पुलिस ने मामले में 24 वर्षीय अजय सिंह को गिरफ्तार किया है। डोडाचूरा की कीमत करीब 2 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस मंगलवार देर शाम झारड़ा-भंवरासा रोड पर बोरखेड़ी फंटा के पास वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान बिना नंबर की सिल्वर रंग की मारुति स्विफ्ट को रोका गया। तलाशी में कार के अंदर 5 प्लास्टिक के कट्टे मिले। इनमें कुल 100 किलो डोडाचूरा था। पुलिस ने डोडाचूरा और कार को जब्त कर लिया।

**NDPS की धाराओं में केस दर्ज:** पुलिस के अनुसार, आरोपी अजय सिंह (24), नीमच जिले के बेलारी गांव का रहने वाला है। पुलिस ने उसके पास से एक मोबाइल भी जब्त किया है। कार की कीमत करीब 5.50 लाख रुपए और मोबाइल की कीमत करीब 10 हजार रुपए बताई गई है। पुलिसने आरोपी पर NDPS की धाराओं में केस दर्ज किया है।

थाना प्रभारी राजेंद्र पवार ने बताया कि आरोपी से डोडाचूरा कहां से लाया गया और किसे देना था, इस बारे में पूछताछ की जा रही है। आरोपी को बुधवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

# सीहोर में रुक-रुककर बारिश का दौर जारी

## 24 घंटे में 0.07 इंच वर्षा, मानसून सीजन में 26.99 इंच, अगले 48 घंटे बारिश के आसार

**मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)।** सीहोर जिले में मानसून की गतिविधियां लगातार बनी हुई हैं। अलग-अलग क्षेत्रों में रुक-रुककर बारिश का दौर जारी है। भू-अभिलेख विभाग के 19 अगस्त को जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में जिले में औसतन 0.07 इंच बारिश दर्ज की गई। इसके साथ ही 1 जून से अब तक जिले की औसत वर्षा 26.99 इंच पहुंच गई है।

**चार क्षेत्रों में हुई बारिश:** पिछले 24 घंटे में सीहोर में 0.15 इंच, श्यामपुर में 0.07 इंच, इछावर में 0.19 इंच और रेहटी में 0.17 इंच बारिश दर्ज की गई। वहीं आष्टा, जावर, भैरूंदा और बुधनी में इस अवधि में बारिश

नहीं हुई।

**रेहटी और सीहोर में सबसे ज्यादा बारिश:** 1 जून से अब तक सीहोर में 32.84 इंच बारिश हो चुकी है। रेहटी में 30.33 इंच, भैरूंदा में 27.12 इंच, बुधनी में 26.75 इंच, आष्टा में 26.18 इंच, इछावर में 26.02 इंच, श्यामपुर में 25.29 इंच और जावर में 21.45 इंच बारिश दर्ज की गई है।

गत वर्ष इसी अवधि तक जिले में औसतन 28.59 इंच बारिश दर्ज हुई थी। इस लिहाज से इस साल की औसत बारिश अभी पिछले वर्ष के आंकड़े से कम है।

**अगले 48 घंटे बारिश के आसार:** मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र और मध्य भारत से होकर गुजर रही मानसूनी ट्रफ लाइन सक्रिय है। इसके प्रभाव से क्षेत्र में नमी बनी हुई है। अगले 48 घंटे के दौरान जिले में बादल छाए रहने और गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। कुछ स्थानों पर तेज बौछारें भी पड़ सकती हैं।

# खेत में मक्का काटते दिखा 6 फीट लंबा अजगर

### ● इटारसी वन विभाग की टीम ने किया रेस्क्यू, जंगल में छोड़ेंगे

**मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)।** इटारसी के ग्राम पीपलढाना में बुधवार को खेत में मक्का काट रहे किसानों के सामने करीब 6 फीट लंबा अजगर आ गया। किसानों ने तुरंत वन विभाग को सूचना दी। किसान हरिदास यादव दोपहर में अपने खेत में मक्का काट रहे थे। इसी दौरान उन्हें मक्के की फसल के बीच बड़ा सांप दिखाई दिया, जो पास जाकर देखने पर अजगर निकला। हरिदास ने तुरंत खेत में मौजूद अन्य लोगों को सतर्क किया। सूचना मिलते ही वनपरिक्षेत्र अधिकारी अभिषेक शर्मा के निर्देश पर वन्यजीव अभिरक्षक अभिजीत यादव, सर्पमित्र अभय चौरे, मोहित मेहरा और सचिन दुलारे मौके पर पहुंचे। टीम ने खेत का निरीक्षण किया और मक्के की फसल के बीच छिपे अजगर को ढूंढना शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद टीम ने करीब 6 फीट लंबे

अजगर को सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू कर लिया। रेस्क्यू किए गए सांप की पहचान इंडियन रॉक पाइथन (अजगर) के रूप में हुई, जो गैर-विषैला होता है। वन विभाग की टीम ने बताया कि अजगर को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाया गया। रेस्क्यू के बाद उसे वन क्षेत्र में ले जाकर उसके प्राकृतिक आवास के अनुकूल सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया गया। वन विभाग ने लोगों से अपील की है कि सांप दिखाई देने पर उसे पकड़ने या मारने का प्रयास न करें, बल्कि तत्काल वन विभाग या प्रशिक्षित सर्पमित्रों को सूचना दें।

## सागर में हाईवे पर कार में लगी आग

# रास्ते में खराब होने पर मैकेनिक को लेने गए, वापस लौटे तो जली मिली

**मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)।** सागर देवरी थाना क्षेत्र में हाईवे पर खड़ी एक कार में बुधवार सुबह आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि कार पूरी तरह जलकर राख हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की।

जानकारी के अनुसार, संजय नगर निवासी देवेंद्र साहू बुधवार सुबह करीब 4.30 बजे कार से सागर जा रहे थे। वे रिजर्वेशन के सिलसिले में सागर जा रहे थे। चीमाढाना के पास उनकी कार चलते-चलते अचानक बंद हो गई। देवेंद्र ने कई बार कार चालू करने की कोशिश की, लेकिन वह स्टार्ट नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने कार को हाईवे किनारे लॉक किया और मैकेनिक लेने देवरी चले गए।

**मैकेनिक को लेकर लौटे तो जल चुकी थी कार:** देवेंद्र सुबह करीब 9 बजे मैकेनिक को लेकर वापस चीमाढाना पहुंचे। वहां उन्होंने देखा कि कार में आग लगी हुई थी।

आग से कार पूरी तरह जल चुकी थी। देवेंद्र ने बताया कि कार क्रमांक एमपी 15 सीसी 3078 उनके बेटे नमन साहू के नाम पर रजिस्टर्ड है। कार में आग कैसे लगी, इसकी जानकारी उन्हें नहीं है।

**आग लगने के कारणों की जांच जारी:** देवरी थाने के एसआई समरथ सीनम ने बताया कि डायल-112 पर चीमाढाना में कार में आग लगने की सूचना मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया गया। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई की है। कार में आग कैसे लगी और इसके पीछे क्या कारण रहे, इसकी जांच की जा रही है।

# रतलाम में शराब दुकान मैनेजर को बाइक ने मारी टक्कर

## सिर में चोट लगने से मौत शॉप का गल्ला लेने गए थे

**मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)।** रतलाम के बाजना में सड़क पर पैदल घूम रहे शराब दुकान के मैनेजर विश्वेश्वर पाल (60) निवासी इंदौर को सामने से बाइक सवार ने जोरदार टक्कर मार दी। इससे वह उछलकर पीछे गिर गए। सिर में गंभीर चोट लगने पर मौके पर ही मौत हो गई। देर रात शव को पीएम के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा गया।

**पैदल टहल रहे थे तभी सामने से बाइक ने टक्कर मारी:** हादसा बाजना के ठिकरिया रोड पर मंगलवार रात करीब 9.30 बजे हुआ। ठिकरिया रोड पर मां चामुंडा इंटरप्राइजेस की शराब की दुकान है। रात में मैनेजर दुकान का

गल्ला लेने गए थे। सेल्समैन रुपए गिन कर रहा था। इस दौरान मैनेजर खाना खाने के बाद सड़क पर पैदल टहलने निकल गया। इसी दौरान दुकान से 50 मीटर की दूरी पर बाइक एमपी-45 एमआर 5753 के चालक ने सामने से टक्कर मार दी।

**सिर में चोट लगने से मौत:** टक्कर लगने से पाल उछलकर पीछे की ओर गिरे जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आई। पूरा शरीर खून से लथपथ हो गया। इससे मौके पर उनकी मौत हो गई। आसपास और दुकान के लोग उन्हें बाजना स्वास्थ्य केंद्र ले गए। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

**यूपी के रहने वाले थे:** देर रात शव को पोस्टमार्टम के लिए रतलाम मेडिकल कॉलेज भेजा गया। बुधवार सुबह पीएम होगा। मृतक पाल मूलतः यूपी के इटावा के रहने वाले थे। वर्तमान में उनका परिवार विजयनगर इंदौर में रहता है। मैनेजर पाल बाजना में दुकान के ऑफिस में ही रहते थे। मृतक मैनेजर के तीन बेटे है। परिवार के सदस्यों को रात में सूचना दी गई। बाजना थाना पुलिस केस दर्ज कर मामला जांच में लिया है।

## तीन बच्चों की मां का शव फंदे पर मिला

# छतरपुर में महिला की मानसिक बीमारी का चल रहा था इलाज

**मीडिया ऑडीटर,छतरपुर (निप्र)।** छतरपुर सिविल लाइन थाना क्षेत्र के ग्राम ढडारी में 28 वर्षीय महिला ने घर के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान बबीता अहिरवार पत्नी देवेंद्र अहिरवार के रूप में हुई है। वह तीन बच्चों की मां थी। घटना बीते दिन दोपहर की है। बबीता घर के एक कमरे में थी। इसी दौरान कमरे का दरवाजा बंद मिला। परिजनों ने बबीता को फंदे पर लटका देख पुलिस को सूचना दी।

**मानसिक बीमारी का चल रहा था इलाज:** मृतका के जेठ दीपचंद अहिरवार ने बताया कि बबीता पिछले कुछ समय से मानसिक बीमारी से जूझ रही थी। उसका छतरपुर और ग्वालियर में इलाज चल रहा था। परिजनों के अनुसार, बबीता ने पहले भी अपने बच्चों को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया था। परिवार के सदस्यों ने समय रहते बच्चों को बचा लिया था। बबीता और देवेंद्र की शादी 2017 में हुई थी। शादी के शुरुआती वर्षों में बबीता की तबीयत सामान्य थी। बाद में उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं रही। परिवार उसका इलाज करा रहा था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जरूरी कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने महिला की मौत के कारणों की जांच शुरू कर दी है। आत्महत्या की वास्तविक वजह पता करने के लिए परिजनों से पूछताछ की जा रही है।

# खजुराहो में भारी बारिश, रेलवे स्टेशन ब्रिज जलमग्न, 24 घंटे में 3.36 इंच वर्षा, मौसम विभाग का ऑरेंज अलर्ट

**मीडिया ऑडीटर, खजुराहो (निप्र)।** खजुराहो में बीते 24 घंटों से हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन प्रभावित किया है। इस दौरान 3.36 इंच वर्षा दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने क्षेत्र के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी करते हुए भारी से अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी दी है। मौसम विभाग के अनुसार, 18 अगस्त को झारखंड के ऊपर सक्रिय अवदाब के कारण पूर्वी मध्य प्रदेश बारिश का मुख्य केंद्र बना हुआ है। इसके प्रभाव से विंध्य, बुंदेलखंड और महाकौशल क्षेत्रों में भारी वर्षा जारी है। बारिश के चलते खजुराहो का न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 31.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। तेज बारिश के कारण बमीठा-खजुराहो रोड पर स्थित खजुराहो रेलवे स्टेशन ब्रिज के नीचे भारी जलभराव हो गया है। इससे राहगीरों को आवागमन में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। यदि वर्षा जारी रहती है, तो आवागमन बाधित हो सकता है। नदी-नालों का जलस्तर भी तेजी से बढ़ रहा है। राजनगर से सत्ती की मड़िया होकर प्रसिद्ध रनेह वाटरफॉल जाने वाले मार्ग पर रपटे के ऊपर से पानी बह रहा है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ गई है। मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि 20 से 24 अगस्त के दौरान बारिश का यह क्रम धीरे-धीरे मध्य और पश्चिमी मध्य प्रदेश की ओर बढ़ेगा।

# बुरहानपुर में रिमझिम बारिश का दौर जारी

## अब तक 27.36 इंच पानी बरस, तापमान 30 डिग्री, अगले दो दिन भी बरसात की संभावना

**मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)।** बुरहानपुर में मौसम बदल रहा है। जिले में फिलहाल रिमझिम बारिश हो रही है। तेज बारिश का दौर थमा हुआ है। 1 जून से अब तक जिले में 27.36 इंच बारिश दर्ज हुई है। बुधवार दोपहर नेपानगर में रिमझिम बारिश हुई। इससे एक दिन पहले बुरहानपुर और डाभियाखेड़ा में भी हल्की बारिश हुई थी।

मौसम विभाग ने मध्यम बारिश का अलर्ट जारी किया है। 21 अगस्त शाम 7 बजे तक 5 से 15 मिमी प्रति घंटे बारिश हो सकती है। इस दौरान गरज-चमक के साथ 41 से 61 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है।

**तापमान 30 डिग्री पर पहुंचा:** बुधवार को जिले का अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम 24 डिग्री सेल्सियस रहा। पिछले कुछ दिनों से अधिकतम तापमान 29 से 30 डिग्री के बीच बना हुआ है। 1 से 19 अगस्त के बीच तापमान में उतार-चढ़ाव भी देखा गया।

**नदियों और तालाबों में पानी बढ़ा:** बारिश से जिले की नदियों और तालाबों में पानी जमा हुआ है। ताप्ती नदी का जलस्तर भी इस साल अच्छा बना हुआ है। अगस्त में हुई बारिश से किसानों को राहत मिली है। बारिश से फसलों को फायदा हुआ है।

# पैदल जा रहे युवक को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

## सिर में 9 टांके लगे, गंभीर हालत में मंदसौर जिला अस्पताल रेफर

**मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)।** मंदसौर के मल्हारगढ़ के पास मंगलवार रात सड़क हादसे में पश्चिम बंगाल निवासी एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। करीब रात 10:30 बजे अज्ञात वाहन ने पैदल जा रहे प्रमोद पोद्दार को टक्कर मार दी। हादसे के बाद राहगीरों की मदद से घायल को मल्हारगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए मंदसौर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

**माल खाली करने के बाद ढाबे की ओर जा रहा था:** घायल की पहचान पश्चिम बंगाल के रूपनारायणपुर निवासी प्रमोद पोद्दार के रूप में हुई है। वह अपने दोस्त मुद्रिका यादव के साथ मल्हारगढ़ के पास माल खाली करने आया था। मुद्रिका यादव ट्रक चालक है।

माल खाली करने के बाद ट्रक को मल्हारगढ़ के नजदीक एक पेट्रोल पंप के पास खड़ा किया गया था। इसके बाद प्रमोद

चाय पीने के लिए पैदल ढाबे की ओर जा रहा था।

**अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर:** प्रमोद सड़क से पैदल गुजर रहा था, तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद वह सड़क पर गिर गया और बेहोश हो गया। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई।

राहगीरों ने घायल को तत्काल मल्हारगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।

### ● सिर में गंभीर चोट, 9 टांके लगे...

प्रमोद के साथी मुद्रिका यादव के अनुसार, हादसे में उसके सिर में गंभीर चोट आई है। सिर पर करीब 9 टांके लगाए गए हैं। इसके अलावा गर्दन, चेहरे, हाथ और पैर में भी चोटें आई हैं। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी हालत को देखते हुए उसे एंबुलेंस से मंदसौर जिला अस्पताल भेज दिया, जहां उसका उपचार जारी है।

### ● अज्ञात वाहन की तलाश...

हादसे के बाद टक्कर मारने वाला वाहन मौके से फरार हो गया। फिलहाल वाहन और उसके चालक की पहचान नहीं हो सकी है। मामले में पुलिस द्वारा हादसे की जानकारी जुटाई जा रही है और अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है।

## वीनस विलियम्स को यूएस ओपन का वाइल्ड कार्ड

**यूएस (एजेंसी)।** 7 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स को यूएस ओपन के विमेंस सिंगल्स मुख्य ड्रॉ के लिए वाइल्ड कार्ड मिला है। टूर्नामेंट ने एक और वाइल्ड कार्ड की घोषणा रोक रखी है। यह जगह उनकी छोटी बहन और 23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना विलियम्स को मिल सकती है। सेरेना ने इस साल विंबलडन में सिंगल्स के जरिए टेनिस में वापसी की थी।सेरेना विलियम्स के सिंगल्स में खेलने के फैसले के लिए यूएस ओपन का आखिरी वाइल्ड कार्ड रोका गया है। 46 साल की उम्र में यूएस ओपन खेलेंगी वीनस 46 साल की वीनस पिछले साल भी वाइल्ड कार्ड के जरिए स ओपन में खेली थीं। उन्होंने 2023 के बाद पहली बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। इंटरनेशनल टेनिस फेडरेशन के अनुसार, वीनस 1981 में 47 साल की उम्र में खेलने वाली रेनी रिचर्ड्स के बाद यूएस ओपन सिंगल्स में उतरने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। वीनस ने 2000 और 2001 में यूएस ओपन का सिंगल्स खिताब जीता था। इसके अलावा उन्होंने 5 विंबलडन सिंगल्स खिताब भी अपने नाम किए हैं। हालांकि, मौजूदा समय में उनकी सिंगल्स फॉर्म अच्छी नहीं है। वह जुलाई 2025 से अपने पिछले 14 डब्ल्यूटीए सिंगल्स मैच हार चुकी हैं। सेरेना ने विंबलडन में की थी वापसी 44 साल की सेरेना ने इस साल विंबलडन में सिंगल्स के जरिए वापसी की थी। यह 2022 यूएस ओपन के बाद किसी ग्रैंड स्लैम के सिंगल्स ड्रॉ में उनका पहला मैच था। हालांकि, उन्हें पहले ही राउंड में हार मिली थी। इसके बाद उन्होंने फिट रहने पर टेनिस खेलना जारी रखने की इच्छा जताई थी। अब यूएस ओपन के लिए एक विमेंस वाइल्ड कार्ड की घोषणा बाकी है। अगर सेरेना न्यूयॉर्क में खेलने का फैसला करती हैं तो उन्हें यह जगह मिल सकती है। चार साल बाद साथ डबल्स खेलीं, सिनसिनाटी में हारीं वीनस और सेरेना ने सोमवार को सिनसिनाटी ओपन में डबल्स मैच खेला। यह 2022 यूएस ओपन के बाद पहली बार था जब दोनों बहनें किसी टूर्नामेंट में साथ डबल्स खेल रही थीं। हालांकि, उन्हें मार्टा कोस्त्युक और पेटन स्टियर्न्स के खिलाफ टाई-ब्रेकर में हार मिली।दोनों बहनों ने विंबलडन में भी साथ डबल्स खेलने की योजना बनाई थी, लेकिन सिंगल्स मैच के दौरान सेरेना के घुटने में चोट लगने के बाद उन्हें नाम वापस लेना पड़ा था।स्लोएन स्टीफंस समेत 6 और खिलाड़ियों को वाइल्ड कार्ड 2017 यूएस ओपन चैंपियन स्लोएन स्टीफंस समेत 6 अन्य खिलाड़ियों को भी विमेंस सिंगल्स के लिए वाइल्ड कार्ड मिला है। अन्य खिलाड़ियों में कैरल यंग सुह ली, रीज ब्रांटमायर, 17 साल की थिया फ्रॉडिन, फ्रांस की लियोलिया जीनजीन और ऑस्ट्रेलिया की टायला प्रेस्टन शामिल हैं। विमेंस ड्रॉ में एक वाइल्ड कार्ड की घोषणा अभी बाकी है। मोनफिल्स आखिरी ग्रैंड स्लैम खेलेंगे मेंस सिंगल्स में 39 साल के फ्रांस के गेल मोनफिल्स और ऑस्ट्रेलिया के एलेक्सी पोपिरिन को वाइल्ड कार्ड मिला है। मोनफिल्स सितंबर में 40 साल के हो जाएंगे और इस सीजन के अंत में संन्यास लेंगे। पोपिरिन ने 2024 में नोवाक जोकोविच को हराकर यूएस ओपन के चौथे राउंड में जगह बनाई थी। अमेरिका के मार्टिन डैम जूनियर, माइकल झेंग, जे.जे. वुल्फ, सेबेस्टियन गोरज्नी और 18 साल के जैक कैनेडी को भी वाइल्ड कार्ड मिला है। मेंस ड्रॉ में भी एक जगह की घोषणा बाकी है। यूएस ओपन का मुख्य ड्रॉ 30 अगस्त से शुरू होगा। इससे पहले क्वालिफाइंग टूर्नामेंट खेले जाएंगे।

## तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी का धमाकेदार प्रदर्शन, हैट्रिक सहित झटके कुल 7 विकेट

**मुल्तान (एजेंसी)।** मुल्तान क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए नेशनल चैंपियंस कप 2026 के फाइनल में पाकिस्तान गोल्ड के कप्तान शाहीन शाह अफरीदी ने हैट्रिक लेकर पाकिस्तान ग्रीन्स की कमर तोड़ दी। शाहीन ने यह उपलब्धि ग्रीन्स की पारी के 38वें ओवर में हासिल की, जब उन्होंने लगातार गेंदों पर मेहरान मुमताज, सलमान मिर्जा और मोहम्मद हसनैन को आउट किया। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने उस ओवर की पहली ही गेंद पर मुमताज को तेज इन-डिपर से एलबीडब्ल्यू आउट किया। इसके बाद उन्होंने मिर्जा को धीमी गेंद से चकमा दिया, जिससे मिर्जा ने गेंद को हवा में उछाल दिया और गेंद सीधे गेंदबाज़ के हाथों में आसान कैच के रूप में चली गई। शाहीन ने हसनैन को जबरदस्त यॉर्कर डालकर अपनी हैट्रिक पूरी की। हसनैन गेंद को समझ नहीं पाए और गेंद सीधे उनके लेग स्टंप से जा टकराई। इस हैट्रिक के साथ शाहीन का नेशनल चैंपियंस कप 2026 के फाइनल में शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन पूरा हुआ। उन्होंने 8.3 ओवर में 7/36 के बेहतरीन आंकड़े दर्ज किए, जिसके लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। शाहीन के शानदार प्रदर्शन में मुबाशिर खान, फैसल अकरम और साथी तेज गेंदबाज रजाउल्लाह का भी साथ मिला, जिससे गोल्ड टीम ने ग्रीन्स को 37.3 ओवर में 239 रन पर ऑल आउट कर दिया। इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करने के बाद शामिल हुसैन और साद खान के शतकों की बदौलत गोल्ड टीम ने 50 ओवर में 340 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। नेशनल चैंपियंस कप 2026 के फाइनल में गोल्ड के लिए मिडिल-ऑर्डर बल्लेबाज साद सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। उन्होंने 102 गेंदों पर तेज़ गति से 112 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और चार छक्के शामिल थे। उनके बाद हुसैन का नंबर रहा, जिन्होंने 93 गेंदों पर 111 रन बनाए; उनकी पारी में भी इतने ही चौके-छक्के शामिल थे। इनके अलावा, ओपनर मुहम्मद अखलाक (31) और मिडिल-ऑर्डर के बल्लेबाजों अब्दुल समद (25) और मुबाशिर खान (21) ने भी फाइनल मैच में गोल्ड के कुल स्कोर में अहम योगदान दिया।

## 600वें टेस्ट में भारत ने दर्ज की जीत, श्रीलंका 165 रन से हारा

# वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की उम्मीदों को दी उड़ान

### मानव सुथार ने मैच में 10 विकेट लिए; देवदत्त पडिक्कल प्लेयर ऑफ द मैच बने

**गॉल (एजेंसी),एजेसीं।** भारत ने गॉल में खेले गए पहले टेस्ट में श्रीलंका को 165 रन से हराकर दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। यह भारत का 600वां टेस्ट मैच था। भारत की जीत के हीरो 24 साल के लेफ्ट आर्म स्पिनर मानव सुथार रहे। उन्होंने श्रीलंका की दूसरी पारी में 6 विकेट सहित मैच में 10 विकेट लिए।

देवदत्त पडिक्कल को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने इस मैच में कुल 211 रन बनाए। पडिक्कल ने पहली पारी में 167 और दूसरी पारी में 44 रन की पारी खेली।

● **सुथार को एक ओवर में 3 विकेट**–मैच के पांचवें दिन बुधवार को दूसरी पारी में श्रीलंका का स्कोर 75 ओवर में 6 विकेट पर 199 रन था। सुथार ने अगले ओवर में तीन विकेट लेकर भारत की जीत लगभग तय कर दी। इस ओवर में सुथार ने सोनल दिनुषा, प्रभात जयसूर्या और लाहिरु कुमारा को आउट किया। श्रीलंका का स्कोर 9 विकेट पर 199 रन हो गया। सुथार ने अपने अगले ओवर में केशरा नुवांथा को आउट कर श्रीलंका की पारी समेट दी।

● **पहली पारी में पडिक्कल का शतक, भारत ने 462 रन बनाए**–भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। देवदत्त पडिक्कल ने तीसरे नंबर पर उतरकर 230 गेंद में 167 रन बनाए। उनकी पारी में 15 चौके और एक छक्का था। उन्होंने केएल राहुल के साथ 162 रन की साझेदारी की।केएल राहुल ने 82, ध्रुव जुरेल ने 51 और ऋषभ पंत ने 39 रन बनाए। भारत ने 462 रन बनाए। श्रीलंका की ओर से प्रभात जयसूर्या ने 4 और केशरा नुवानथा ने 3 विकेट लिए।

● **श्रीलंका की पहली पारी में दिनूषा का शतक**–श्रीलंका की पहली पारी में सोनल दिनूषा ने 168 गेंद में 100 रन बनाए। निरोशन डिकवेला ने 80 रन की पारी खेली। भारत की ओर से मानव सुथार ने 4 और रवींद्र जडेजा ने 3 विकेट लिए। श्रीलंका पहली पारी में 284 रन बना सका।

● **दूसरी पारी में पंत ने 66 रन बनाए**–भारत की दूसरी पारी 193 रन पर सिमट गई। ऋषभ पंत ने 69 गेंद में 66 रन बनाए। उन्होंने 8 चौके और 2 छक्के लगाए।

### मानव सुथार को दूसरे ही टेस्ट में 10 विकेट

मानव सुथार ने पहली बार एक मैच में 10 विकेट लेने का कारनामा किया। उन्होंने श्रीलंका की पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 6 विकेट लिए। वे विदेश में भारत के लिए एक टेस्ट में 10 विकेट लेने वाले सातवें स्पिनर बने।सुथार की उम्र 24 साल 16 दिन थी। वे 28 साल की उम्र से पहले विदेशी टेस्ट में 10 विकेट लेने वाले भारत के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने।

- डब्ल्यूटीसी प्वाइंट्स टेबल
- ऑस्ट्रेलिया– पीसीटी – 77.78
- साउथ अफ्रीका– पीसीटी– 75.00
- न्यूजीलैंड– पीसीटी– 72.22।

### हैरी ब्रूक नंबर-1 टेस्ट बैटर बने, हेड चौथे पर फिसले

# बुमराह 21 महीने से लगातार नंबर-1 बॉलर, गिल वनडे के टॉप बल्लेबाज

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** आईसीसी ने 19 अगस्त को मेंस वीकली रैंकिंग जारी कर दी है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डार्विन टेस्ट में बांग्लादेश की ऐतिहासिक 9 विकेट की जीत का असर रैंकिंग में देखने को मिला है। इंग्लैंड के हैरी ब्रूक टेस्ट बैटर्स की रैंकिंग में फिर नंबर-1 बन गए हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड खिसककर चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं।

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टेस्ट बॉलर्स की रैंकिंग में लगातार 21 महीने से नंबर-1 बने हुए हैं। बुमराह ने नवंबर 2024 में पहला स्थान हासिल किया था और तब से इसे बरकरार रखा है। उनके खाते में 870 रेटिंग पॉइंट्स हैं। वहीं, वनडे बैटर्स की रैंकिंग में शुभमन गिल टॉप पर बने हुए हैं।

● **हेड को खराब प्रदर्शन का नुकसान**– डार्विन टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड केवल 22 और 17 रन ही बना सके। इस प्रदर्शन के कारण हेड पहले से चौथे स्थान पर आ गए हैं। उनके स्थान गंवाने का फायदा इंग्लैंड के हैरी ब्रूक को मिला, जिन्होंने टॉप पर वापसी कर ली है।ब्रूक के बाद इंग्लैंड के जो रूट दूसरे और ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। टॉप 4 बल्लेबाजों के बीच केवल 33 रेटिंग पॉइंट्स का अंतर है। गेंदबाजी में बुमराह नंबर–1 पर बरकरार गेंदबाजों की टेस्ट रैंकिंग में भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का दबदबा कायम है। श्रीलंका के खिलाफ गॉल टेस्ट में नहीं खेलने के बावजूद बुमराह टॉप पर बने हुए हैं।दूसरी ओर डार्विन टेस्ट में 9 विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द मैच बने बांग्लादेश के हसन महमूद 26 स्थान की लंबी छलांग लगाकर 38वें नंबर पर पहुंच गए हैं। दूसरी पारी में 5 विकेट लेने वाले मेहदी हसन मिराज 3 पायदान चढ़कर 24वें स्थान पर आ गए हैं। जडेजा 2022 से टेस्ट के टॉप ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा टेस्ट ऑलराउंडर्स में टॉप पर हैं। वे पिछली बार 9 मई 2022 को टॉप पर आए थे। साउथ अफ्रीका के मार्को यानसन 344 पॉइंट के साथ दूसरे और बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज 320 पॉइंट के साथ तीसरे नंबर पर हैं।

ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क को एक स्थान का नुकसान हुआ है। वे 270 पॉइंट के साथ चौथे नंबर पर खिसक गए हैं।

### सात्विक-चिराग को वॉकओवर मिला

# विश्व चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने दूसरे दौर में वॉकओवर मिलने के बाद बुधवार को यहां बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। विश्व चैंपियनशिप में पहले दो कांस्य पदक जीत चुकी पांचवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी को पहले दौर में बाई मिली थी तथा दूसरे दौर में उनका मुकाबला स्कॉटलैंड के एलेक्जेंडर डन और एडम प्रिंगल से होना था। स्कॉटलैंड की जोड़ी ने हालांकि आखिरी क्षण में नाम वापस ले लिया, जिससे सात्विक और चिराग को कोर्ट में उतरे बिना ही राउंड ऑफ 16 में जगह मिल गई। तनीशा क्रास्टो और ध्रुव कपिला की मिश्रित युगल जोड़ी ने भी मकाऊ के लियोन इओक चोंग और एनजी वेंग ची को 21-11 21-11 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। भारतीय खिलाड़ियों में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू, आयुष शेट्टी और लक्ष्य सेन को भी बुधवार को अपने मैच खेलने हैं।

## आर प्रज्ञानानंदा ग्रैंड चेस टूर के फाइनल में पहुंचे

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने 2026 ग्रैंड चेस टूर (जीसीटी) के फाइनल में जगह पक्की कर ली है। उन्होंने सिंक्विफील्ड कप के 8वें राउंड में फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव को काले मोहरों से 27 चाल में हरा दिया। इस जीत से प्रज्ञानानंदा के 5 अंक हो गए और वे अमेरिका के वेस्ली सो के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर पहुंच गए।

### वेस्ली सो से बराबरी, एक राउंड बाकी

राउंड-8 के बाद प्रज्ञानानंदा और वेस्ली सो के 5-5 अंक हैं। दोनों संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं। जावोखिर सिंदारोव 4.5 अंक के साथ तीसरे स्थान पर हैं, जबकि फैबियानो कारुआना और एमवीएल के 4-4 अंक हैं। अब टूर्नामेंट में सिर्फ एक राउंड बाकी है।

### रुई लोपेज से शुरुआत, 27 चाल में जीते

प्रज्ञानानंदा और एमवीएल के बीच मुकाबले की शुरुआत रुई लोपेज ओपनिंग से हुई। प्रज्ञानानंदा ने काले मोहरों से खेलते हुए शुरुआती दौर में स्थिति को संतुलित रखा। इसके बाद उन्हें धीरे-धीरे बढ़त मिली और 27वीं चाल के बाद एमवीएल ने मुकाबला छोड़ दिया।

# सिंक्विफील्ड कप में मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव को हराया, वेस्ली सो के साथ टॉप पर

● **आखिरी राउंड में खिताब का फैसला**–सिंकफील्ड कप 10 खिलाड़ियों का 9 राउंड का टूर्नामेंट है। राउंड–8 के बाद वेस्ली सो और आर प्रज्ञानानंदा 5–5 अंक के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं। जावोखिर सिंदारोव और विंसेंट केमर 4.5–4.5 अंक के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं। फैबियानो कारुआना, लेवोन एरोनियन, मैक्सिम वाचियर–लाग्रेव और सैम सेवियन के 4–4 अंक हैं। अब सिर्फ एक राउंड बाकी है। इसलिए आखिरी राउंड में खिताब की रेस बेहद रोचक होगी।

### दिव्या देशमुख 4 अंक के साथ संयुक्त 5वें स्थान पर

चीन की ग्रैंडमास्टर तान झोंगयी ने केर्न्स कप शतरंज टूर्नामेंट के 8वें राउंड में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। उन्होंने कजाकिस्तान की बिबिसारा अस्साउबायेवा को हराकर अपने अंक 6.5 कर लिए। अब तान खिताब से सिर्फ आधा अंक दूर हैं। अमेरिका की 16 साल की इंटरनेशनल मास्टर एलिस ली 5.5 अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं। भारतीय ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख ने 8वें राउंड में यूक्रेन की अन्ना मुजीचुक से ड्रा खेला। इसके बाद उनके 4 अंक हो गए हैं और वह संयुक्त रूप से 5वें स्थान पर हैं। दिव्या ने अब तक 2 मुकाबले जीते हैं, 4 ड्रा खेले हैं और 2 मैच गंवाए हैं। आखिरी राउंड में उनके पास अपनी स्थिति बेहतर करने का मौका है। राउंड-8 के बाद अन्ना मुजीचुक के भी 4 अंक हैं। भारतीय खिलाड़ियों में हम्पी कोनेरू 3 अंक के साथ 8वें और आर वैशाली 2.5 अंक के साथ 9वें स्थान पर हैं। प्रज्ञानानंदा और वेस्ली सो के बीच सिर्फ आधे अंक का नहीं, बल्कि बराबरी का मुकाबला है; दोनों के 5-5 अंक हैं। वहीं 4.5 अंक वाले सिंदारोव और केमर भी खिताब की रेस में बने हुए हैं।

## ऑस्ट्रेलियाई टेनिस खिलाड़ी निक किर्गियोस कोकीन जांच में पाए गए पॉजिटिव, अस्थायी रूप से निलंबित

**लंदन (एजेंसी)।** ऑस्ट्रेलियाई टेनिस खिलाड़ी निक किर्गियोस ने बुधवार को खुलासा किया कि उनका कोकीन टेस्ट पॉजिटिव आया है और उन्हें अस्थायी रूप से टेनिस से निलंबित कर दिया गया है। किर्गियोस 2022 विंबलडन के एकल फाइनल में नोवाक जोकोविच से हारकर उप विजेता रहे थे। 31 वर्षीय किर्गियोस लगातार चोटों के कारण विश्व रैंकिंग में अभी 919वें स्थान पर काबिज है। किर्गियोस ने सोशल मीडिया पर इस मामले की जानकारी साझा की। उन्होंने जून में आयोजित एक निचेल स्तर के टूर्नामेंट का जिक्र करते हुए लिखा, हाल में मल्लोर्का में मेरा ड्रग परीक्षण पॉजिटिव आया जिसमें मैं कोकीन के लिए पॉजिटिव मिला। उन्होंने कहा, मैंने बहुत बड़ी गलती की और इसकी पूरी जिम्मेदारी लेता हूं।ज प्रतियोगिताओं के दौरान कोकीन को प्रतिबंधित डोपिंग पदार्थ माना जाता है। हालांकि प्रतियोगिता से बाहर इसके इस्तेमाल के मामलों में कम सजा का प्रावधान हो सकता है। किर्गियोस ने कहा कि पिछले दो वर्षों से चोटों से जूझने के कारण अपने करियर के अंतिम दौर के करीब पहुंचने की वास्तविकता को स्वीकार करना उनके लिए मुश्किल रहा है। उन्होंने कहा, कई बार मैंने खुद को असहाय और अकेला महसूस किया है। लेकिन इनमें से कोई भी बात मेरे किए को सही नहीं ठहराती। पिछले महीने किर्गियोस को विंबलडन में युगल खेलने के लिए वाइल्ड कार्ड मिला था। उन्होंने अलेक्जेंडर बुब्लिक के साथ जोड़ी बनाई, लेकिन पहले ही दौर में हार गए। अंतराष्टीय टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी इस मामले में कार्रवाई करेगी। एजेंसी ने बताया कि किर्गियोस का नमूना 22 जून को लिया गया था और 17 जुलाई को उनके पॉजिटिव होने की पुष्टि हुई थी। किर्गियोस तब विंबलडन खेल चुके थे।

## 45 गांवों के 50 हितग्राहियों को लगभग 1 लाख फिंगरलिंग मछली बीज का वितरण

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)।** छत्तीसगढ़ में ग्रामीण क्षेत्रों को आत्मनिर्भर बनाने और स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए शासन की योजनाओं का प्रभावी अभिसरण किया जा रहा है। इसी कड़ी में सरगुजा जिले में वीबी-जी राम जी योजना के तहत निर्मित आजीविका डबरी एवं नवा तरिया को मत्स्य पालन से जोड़कर ग्रामीण परिवारों के लिए अतिरिक्त आय के अवसर विकसित किए जा रहे हैं। जिले के अम्बिकापुर विकासखंड में 28 ग्राम पंचायतों की 35 आजीविका डबरियों और 2 नवा तरिया में लगभग 1 लाख फिंगरलिंग मछली बीज का संचयन किया गया है। मत्स्य विभाग द्वारा शासकीय मत्स्य बीज प्रक्षेत्र, दरिमा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान हितग्राहियों को 50 प्रतिशत अनुदान पर फिंगरलिंग मछली बीज उपलब्ध कराया गया। इस पहल के तहत 45 गांवों से जुड़े 50 हितग्राहियों को मछली बीज प्रदान किया गया, जिसे उनके गांवों में निर्मित आजीविका डबरी एवं नवा तरिया में संचयित किया जाएगा।

**जल संरचनाओं से अब आय सृजन की ओर बढ़ रहे ग्रामीण:** आजीविका डबरी एवं नवा तरिया का निर्माण केवल जल संरक्षण और ग्रामीण परिसंपत्ति निर्माण तक सीमित नहीं रखा जा रहा है। इन्हें स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप आजीविका गतिविधियों से जोड़कर ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने का माध्यम बनाया जा रहा है। मत्स्य पालन शुरू होने से उपलब्ध जल संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा और ग्रामीणों को अपने गांव में ही आर्थिक गतिविधि का अवसर मिलेगा। मत्स्य बीज पर 50 प्रतिशत अनुदान से हितग्राहियों पर शुरुआती लागत का भार कम हुआ है। इसके साथ ही मत्स्य विभाग द्वारा मछली बीज संचयन, मछलियों की देखभाल, पोषण, प्रबंधन एवं उत्पादन से संबंधित आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन भी दिया जा रहा है, ताकि जल संरचनाओं से बेहतर मत्स्य उत्पादन प्राप्त किया जा सके।

**योजनाओं के अभिसरण से बढ़ी आजीविका की संभावनाएं:** जिला प्रशासन द्वारा ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं को विभिन्न विभागों की गतिविधियों से जोड़कर उनके प्रभाव को बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। वीबी-जी राम जी योजना के तहत निर्मित जल संरचनाओं में मत्स्य पालन को बढ़ावा देने से एक ही परिसंपत्ति का उपयोग जल संरक्षण के साथ-साथ आय संवर्धन के लिए भी किया जा रहा है। इन संरचनाओं में मत्स्य पालन से उत्पादन बढ़ने पर आने वाले समय में ग्रामीण परिवारों को अतिरिक्त आमदनी प्राप्त होगी। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ने के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

**जल संरक्षण से आजीविका तक, गांवों में दिख रहा बदलाव:** लगभग 1 लाख फिंगरलिंग मछली बीज के संचयन से अम्बिकापुर विकासखंड की आजीविका डबरियों एवं नवा तरिया में मत्स्य पालन गतिविधियों को व्यापक आधार मिला है। यह पहल दर्शाती है कि ग्रामीण क्षेत्रों में निर्मित जल संरचनाओं का योजनाबद्ध उपयोग कर जल संरक्षण, रोजगार, मत्स्य उत्पादन और आय संवर्धन को एक साथ आगे बढ़ाया जा सकता है। जिला प्रशासन के प्रयासों से आजीविका डबरी एवं नवा तरिया अब ग्रामीण विकास की ऐसी परिसंपत्तियों के रूप में विकसित हो रही हैं, जो जल संसाधन संरक्षण के साथ ग्रामीण परिवारों की आर्थिक आत्मनिर्भरता को भी मजबूत आधार प्रदान करेंगी।

## नक्सल पीड़ित परिवार के सदस्य को मिली शासकीय सेवा में अनुकम्पा नियुक्ति

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)।** छत्तीसगढ़ सरकार नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों को राहत देने के साथ उन्हें सम्मानजनक जीवन और विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की संवेदनशील पहल और छत्तीसगढ़ नक्सलवाद, आत्मसमर्पण, पीड़ित, राहत एवं पुनर्वास नीति-2025 के तहत नक्सल पीड़ित परिवारों के पुनर्वास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। जिला स्तरीय पुनर्वास समिति की अनुशंसा पर बीजापुर जिले के नक्सल पीड़ित परिवार के सदस्य श्री राजेश कुमार आलम को शासकीय सेवा में अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान की गई है।

**चतुर्थ श्रेणी के पद पर मिली नियुक्ति:** कलेक्टर एवं आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग, जिला बीजापुर के निर्देशानुसार श्री राजेश कुमार आलम को नियमित चतुर्थ श्रेणी (अर्दली) के पद पर अनुकम्पा नियुक्ति दी गई है। उन्हें जिला कार्यालय, बीजापुर में कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से आगामी आदेश तक अस्थायी रूप से पदस्थ किया गया है।

**पुनर्वास नीति से परिवारों को मिल रहा नया संबल:** यह नियुक्ति नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों के लिए आर्थिक सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। शासकीय सेवा मिलने से श्री आलम और उनके परिवार को स्थायी आजीविका का सहारा मिलेगा तथा वे आत्मनिर्भर होकर समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकेंगे।

**शांति, विश्वास और विकास की राह मजबूत:** राज्य सरकार की नक्सल पुनर्वास नीति का उद्देश्य नक्सल हिंसा से प्रभावित लोगों को राहत और सहायता देने के साथ उन्हें सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। ऐसे प्रयासों से प्रभावित परिवारों में शासन के प्रति विश्वास मजबूत हो रहा है और शांति, पुनर्वास तथा विकास की राह को नई मजबूती मिल रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा के साथ-साथ राहत, पुनर्वास, रोजगार और विकास को प्राथमिकता दे रही है। बीजापुर में दी गई यह अनुकम्पा नियुक्ति इसी संवेदनशील और जनकल्याणकारी सोच का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है।

## तसर पालन से बीजापुर के ग्रामीणों की बढ़ेगी आय

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)।** छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में तसर (कोसा) पालन को बढ़ावा देने के लिए भैरमगढ़ के कोसा बीज केंद्र में ग्रामीणों और हितग्राहियों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। इस पहल के तहत अर्जुन और साजा के 5,000 पौधे तैयार किए गए हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर ग्रामीणों के लिए रोजगार और आय के नए साधन बनेंगे। बीजापुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में तसर पालन को बढ़ावा देने और हितग्राहियों की आय बढ़ाने के लिए शासन की स्वस्थ डिम्ब समूह वितरण योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। योजना के तहत मिन्कापल्ली, कोत्तापल्ली, गुदमा और भैरमगढ़ क्षेत्र के रेशम हितग्राहियों को 10 हजार स्वस्थ तसर डिम्ब समूह वितरित किए गए हैं। इस पहल से ग्रामीण परिवारों को तसर पालन के माध्यम से अतिरिक्त आय और रोजगार का अवसर मिलेगा।

**1.40 लाख रुपये की सब्सिडी से मिला आर्थिक सहारा:** योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को लगभग 1.40 लाख रुपये की शासकीय सब्सिडी का लाभ मिला है। स्वस्थ और गुणवत्तापूर्ण डिम्ब समूह मिलने से हितग्राही बेहतर तरीके से तसर पालन कर सकेंगे। इससे कम लागत में अधिक और गुणवत्तापूर्ण कोसा उत्पादन प्राप्त करने की संभावना बढ़ेगी।

**वैज्ञानिक तरीके से तसर पालन का प्रशिक्षण:** स्वस्थ डिम्ब समूह एसएमटीसी, चेन्नूर (तेलंगाना) से प्राप्त कर हितग्राहियों को उपलब्ध कराए गए हैं।

# वंदे मातरम' की 150 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर छायाचित्र प्रदर्शनी

## क्विज के जरिए छत्तीसगढ़ के वीर सेनानियों से रूबरू हुए स्कूली बच्चे एआई कैमरे ने बढ़ाया प्रदर्शनी का आकर्षण

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)।** राजधानी रायपुर के कचहरी चौक स्थित ऐतिहासिक टाउन हॉल में जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित सात दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी के चौथे दिन विद्यार्थियों और आम नागरिकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली। स्वतंत्रता संग्राम, छत्तीसगढ़ के वीर सेनानियों एवं जनजातीय नायकों के संघर्ष, 'वंदे मातरम' की 150 वर्षों की गौरवशाली यात्रा और राज्य की विकास यात्रा को तस्वीरों के माध्यम से जानने के साथ ही विद्यार्थियों ने ज्ञानवर्धक प्रश्नोत्तरी में उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। मंच पर आकर सवालों के जवाब देने की गतिविधि ने विद्यार्थियों के ज्ञान के साथ उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ाया। प्रदर्शनी में आयोजित प्रश्नोत्तरी की खास बात यह रही कि इसे केवल सवाल-जवाब तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि विद्यार्थियों को खेल-खेल में छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और जनजातीय नायकों के जीवन, संघर्ष और योगदान से परिचित कराया गया। विद्यार्थियों ने कहा कि उन्होंने किताबों में स्वतंत्रता संग्राम के बारे में पढ़ा है, लेकिन इस तरह प्रश्नोत्तरी के माध्यम से अपने प्रदेश के नायकों के बारे में जानना उनके लिए नया और बेहद रोचक अनुभव रहा।

**कंप्यूटर आधारित प्रश्नोत्तरी में क्लू से पहचान रहे थे स्वतंत्रता सेनानियों को :** प्रदर्शनी में कंप्यूटर के माध्यम से विशेष रूप से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी विद्यार्थियों के लिए खास आकर्षण बनी रही। इसमें तीन टीमों को छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के नाम पहचानने की चुनौती दी गई। विद्यार्थियों को संबंधित सेनानी के नाम का एक क्लू दिया जाता था और इसके बाद टीमों को बारी-बारी से एक-एक अक्षर बताने का अवसर दिया जाता था। जैसे-जैसे सही अक्षर सामने आते जाते, नाम पूरा होने लगता था। जो टीम सबसे अधिक सही अक्षर बताकर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम सबसे पहले पहचान लेती, उसे विजेता घोषित किया जाता। इस पूरी प्रक्रिया में विद्यार्थियों में उत्सुकता, प्रतिस्पर्धा और सीखने की ललक साफ दिखाई दी। सही उत्तर मिलने पर विद्यार्थियों और दर्शकों ने तालियों के साथ प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया।

**सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच सवाल-जवाब ने बांधा समां:** प्रदर्शनी परिसर में आयोजित छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आगंतुकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच-बीच में उद्घोषक द्वारा छत्तीसगढ़ के इतिहास, संस्कृति, परंपरा, स्वतंत्रता संग्राम और पर्यटन से जुड़े सवाल पूछे गए। सही जवाब देने वाले प्रतिभागियों का दर्शकों ने तालियों से उत्साहवर्धन किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच इस तरह की प्रश्नोत्तरी ने पूरे वातावरण को जीवंत बना दिया। एक ओर मंच पर छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति और लोक कला की मनोहारी प्रस्तुतियां हो रही थीं, वहीं दूसरी ओर दर्शक और विद्यार्थी सवालों के जवाब देकर अपने ज्ञान को परख रहे थे। इस अभिनव संयोजन ने प्रदर्शनी में आने वाले लोगों के अनुभव को और अधिक रोचक एवं ज्ञानवर्धक बना दिया।

**एआई तकनीक से छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों पर अपने चित्र, बच्चों और युवाओं में खास उत्साह:** प्रदर्शनी में एआई तकनीक से लैस स्वचालित कैमरा भी लोगों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। इस सुविधा के माध्यम से आगंतुक अपनी तस्वीर खिंचवाकर उसे छत्तीसगढ़ के विभिन्न पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों की पृष्ठभूमि में देख सकते हैं। विशेष बात यह है कि तैयार तस्वीर इतनी स्वाभाविक दिखाई देती है कि मानो संबंधित व्यक्ति वास्तव में उसी पर्यटन स्थल पर मौजूद हो। इसके अलावा अलग-अलग पारंपरिक वेशभूषाओं के साथ तस्वीरें खिंचवाने की सुविधा भी उपलब्ध है। बच्चों, विद्यार्थियों और युवाओं में इसे लेकर विशेष उत्साह दिखाई दे रहा है। आधुनिक एआई तकनीक के माध्यम से छत्तीसगढ़ की समृद्ध पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत को जोड़ने का यह प्रयोग प्रदर्शनी को अन्य आयोजनों से अलग पहचान दे रहा है।

**मंच पर आकर जवाब देना अच्छा लगा, आत्मविश्वास भी बढ़ा:** प्रश्नोत्तरी में भाग लेने वाले विद्यार्थियों ने बताया कि मंच पर आकर सवालों के जवाब देना उनके लिए बेहद अच्छा अनुभव रहा। एक छात्र ने कहा कि पहले मंच पर आकर जवाब देने में झिझक होती थी, लेकिन प्रश्नोत्तरी में भाग लेने से आत्मविश्वास बढ़ा। उन्होंने कहा कि इस गतिविधि के माध्यम से उन्हें छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बारे में ऐसी कई जानकारियां मिलीं, जिनसे वे पहले परिचित नहीं थे। एक छात्रा ने कहा कि प्रदर्शनी में आकर उसे छत्तीसगढ़ के उन वीरों और जनजातीय नायकों के बारे में जानने का अवसर मिला, जिन्होंने देश की आजादी के लिए संघर्ष किया। उसने कहा कि यदि वे इस प्रदर्शनी में नहीं आते तो बहुत कुछ महत्वपूर्ण सीखने से वंचित रह जाते। विद्यार्थियों ने कहा याद रखना भी आसान और रोचक लगा।

# प्रधानमंत्री आवास योजना ने भूपेन्द्र कुमार कर्ष के पक्के घर का सपना किया साकार

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)।** प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ग्रामीण क्षेत्रों के जरूरतमंद परिवारों के जीवन में स्थायी बदलाव ला रही है। योजना के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सुरक्षित और पक्का आवास उपलब्ध कराकर उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने का कार्य किया जा रहा है। जांजगीर-चांपा जिले के जनपद पंचायत पामगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत धरदेई निवासी श्री भूपेन्द्र कुमार कर्ष की कहानी इसी बदलाव की प्रेरक मिसाल है। श्री भूपेन्द्र कुमार कर्ष, पिता श्री अलग राम, उम्र 48 वर्ष, कृषि एवं मजदूरी का कार्य कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वे लंबे समय तक अपनी पत्नी, एक पुत्री और एक पुत्र के साथ मिट्टी एवं खपरैल से बने कच्चे मकान में रहने को मजबूर थे। बरसात के दिनों में छत से पानी टपकने और मकान की जर्जर स्थिति के कारण परिवार को अनेक कठिनाइयों का सामना

करना पड़ता था। ऐसे में परिवार के लिए एक पक्का और सुरक्षित घर बनाना उनके लिए वर्षों पुराना सपना था। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत पात्रता के आधार पर ग्राम पंचायत धरदेई द्वारा वर्ष 2024-25 में श्री भूपेन्द्र कुमार कर्ष के आवास का अनुमोदन किया गया। आवास स्वीकृत होने के बाद शासन से प्राप्त किस्तों के माध्यम से उन्होंने निर्माण कार्य शुरू किया। ग्राम पंचायत में संचालित स्व-सहायता समूहों ने सेंटरिंग सामग्री उपलब्ध कराने में सहयोग किया। वहीं अटल डिजिटल सुविधा केंद्र तथा ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव और रोजगार सहायक ने भी आवास निर्माण में आवश्यक सहयोग प्रदान किया। आवास निर्माण के दौरान श्री कर्ष को 90 दिवस की मजदूरी की सहायता राशि भी प्राप्त हुई, जिससे उन्हें अतिरिक्त आर्थिक संबल मिला। शासन की सहायता, स्थानीय स्तर पर मिले सहयोग और स्वयं की मेहनत से उनका पक्का मकान तैयार हुआ। आज श्री भूपेन्द्र कुमार कर्ष अपने परिवार के साथ सुरक्षित, सुविधाजनक और सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर रहे हैं। कच्चे और खपरैल मकान से पक्के आवास तक का यह सफर श्री कर्ष के परिवार के लिए केवल एक घर मिलने की उपलब्धि नहीं, बल्कि सुरक्षित भविष्य और सम्मानपूर्ण जीवन की नई शुरुआत है। पक्की छत मिलने से जहां परिवार को मौसम की परेशानियों से राहत मिली है, वहीं उनके भीतर अपने भविष्य को लेकर आत्मविश्वास भी बढ़ा है। श्री भूपेन्द्र कुमार कर्ष ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के माध्यम से पक्का मकान उपलब्ध कराने के लिए भारत सरकार एवं राज्य शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि सीमित आर्थिक संसाधनों के बावजूद वे अपने परिवार के लिए पक्का घर बना पाएंगे। शासन की सहायता से उनका वर्षों पुराना सपना आज हकीकत बन चुका है।

# शिशु संरक्षण माह का शुभारंभ, बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण पर रहेगा विशेष फोकस

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)।** बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य, पोषण और उत्तरजीविता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में शिशु संरक्षण माह का शुभारंभ किया गया। जिला चिकित्सालय जशपुर में आयोजित कार्यक्रम में जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. गौरव सिंह एवं डॉ. गीतांजलि तिवारी ने बच्चों को विटामिन-ए की खुराक पिलाकर अभियान की शुरुआत की। अभियान 18 अगस्त से 24 सितंबर 2026 तक संचालित होगा। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. गौरव सिंह ने बताया कि शिशु संरक्षण माह के दौरान प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को वी.एच.एन.डी. सत्र आयोजित किए जाएंगे। अभियान में 9 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को विटामिन-ए तथा 6 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को आई.एफ.ए. सिरप दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि शिशु संरक्षण माह केवल विटामिन-ए अनुपूरण का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि बच्चों की उत्तरजीविता बढ़ाने तथा उनके समग्र स्वास्थ्य एवं पोषण में सुधार के लिए विभिन्न स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं को एकीकृत रूप से उपलब्ध कराने का अभियान है।

**'टीकाकरण, वजन जांच और पोषण परामर्श की मिलेगी सुविधा':** अभियान के दौरान निर्धारित आयु वर्ग के बच्चों को विटामिन-ए की खुराक के साथ आई.एफ.ए. सिरप की एक बोतल प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही ड्यू बच्चों का टीकाकरण, वजन जांच, पोषण संबंधी परामर्श तथा बच्चों की आयु के अनुरूप संतुलित एवं पौष्टिक आहार की जानकारी दी जाएगी। आंगनबाड़ी केंद्रों में आयोजित सत्रों के माध्यम से पात्र बच्चों को पूरक पोषण आहार की सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। वहीं अति गंभीर कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें उपचार एवं पोषण पुनर्वास के लिए पोषण पुनर्वास केंद्रों में भर्ती कराया जाएगा।

# स्वतंत्रता दिवस पर हितग्राहियों को बड़ी सौगात, दाण्डिक ब्याज में 50 प्रतिशत छूट

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)।** छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल (CGHB) द्वारा आवंटियों को विलंब अवधि की ब्याज राशि और बकाया जल प्रभार (Water Charges) के सरचार्ज पर 50 प्रतिशत की विशेष छूट एकमुश्त भुगतान (One-Time Settlement) योजना के तहत दी गई थी, जिसकी अंतिम तिथि 31 मार्च 2026 निर्धारित थी।

**गृह निर्माण ने हितग्राहियों को दाण्डिक ब्याज में 50 प्रतिशत छूट देने की घोषणा:** स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल ने अपने हितग्राहियों को बड़ी सौगात दी है। मंडल मुख्यालय, नवा रायपुर अटल नगर में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में मंडल के अध्यक्ष श्री अनुराग सिंह देव ने बकायादार हितग्राहियों को दाण्डिक ब्याज में 50 प्रतिशत छूट देने की घोषणा की।

**विशेष आवासीय योजना के अंतर्गत OTS-1 एवं OTS-2 में आबंटित संपत्तियां इस योजना के दायरे से बाहर :** यह छूट मंडल की समस्त योजनाओं में निर्मित एवं निर्माणाधीन आबंटित संपत्तियों पर लागू होगी। हालांकि, विशेष आवासीय योजना के अंतर्गत ह्व्ज्स्-1 एवं ह्व्ज्स्-2 में आबंटित संपत्तियां इस योजना के दायरे से बाहर रहेंगी।

# सरस्वती साइकिल योजना अंतर्गत मोहलई में 42 छात्राओं को मिली साइकिल

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)।** सरस्वती साइकिल वितरण योजना के तहत मंगलवार को कोंडागांव विधायक सुश्री लता उसेंडी ने कोण्डागांव जिले में विभिन्न शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं को निःशुल्क साइकिलों का वितरण किया। इस दौरान शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मोहलई में 42 छात्राओं को साइकिलें प्रदान की गईं। कार्यक्रम के दौरान विधायक लता उसेंडी ने ग्राम मोहलई में कुम्हार

समाज भवन के पास 2.50 लाख रुपये की लागत से रंगमंच निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इसके साथ ही डीएमएफ मद से हाईस्कूल मोहलई में 5 लाख रुपये की लागत से प्रयोगशाला के लिए अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य का भी भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक लता उसेंडी ने कहा कि राज्य सरकार बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सरस्वती साइकिल योजना के माध्यम से छात्राओं को निःशुल्क साइकिल उपलब्ध करा रही है। साइकिल मिलने से छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में होने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी और वे नियमित रूप से स्कूल पहुंच सकेंगी। उन्होंने पालकों से बच्चों को समय पर विद्यालय भेजने और उनकी पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने की अपील की।

# हौसले के आगे दिव्यांगता नहीं बनी बाधा

## दिव्यांग सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना के तहत मिली एक लाख रूपए की प्रोत्साहन राशि

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)।** जब हौसले मजबूत हों और लक्ष्य स्पष्ट हो, तो सामाजिक, आर्थिक और दिव्यांगता जैसी चुनौतियां भी सफलता की राह में बाधा नहीं बन सकतीं। दिव्यांगता शरीर की सीमा हो सकती है, लेकिन दृढ़ इच्छाशक्ति और बुलंद हौसलों के सामने सपनों की कोई सीमा नहीं होती। मुंगेली जिले के लोरमी विकासखण्ड के ग्राम तेलीखाम्ही की दिव्यांग विद्या साहू ने अपनी मेहनत, लगन, दृढ़ संकल्प और मजबूत हौसलों के साथ अपने सपनों का नई उड़ान दी है। उन्होंने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग परीक्षा-2024 में अधीनस्थ लेखा सेवा अधिकारी के पद पर चयनित होकर जिले का गौरव बढ़ाया है। एक हाथ से 70 प्रतिशत अस्थि बाधित दिव्यांगता के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग परीक्षा में छठे प्रयास में अधीनस्थ लेखा सेवा अधिकारी के पद पर चयनित होकर सफलता का इतिहास रचा है। उनकी इस उल्लेखनीय सफलता के बाद शासन की ओर से समाज कल्याण विभाग की क्षितिज अपार संभावनाएं अंतर्गत दिव्यांग सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना के तहत

उन्हें 01 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री भोजराम पटेल और जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे ने विद्या को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। साथ ही बेटी की सफलता पर विद्या के माता-पिता को बधाई देते हुए कहा कि स्वयं निरक्षर होने के बावजूद उन्होंने शिक्षा के महत्व को समझा और बेटी को पढ़ाई के लिए प्रेरित किया। उनका यह प्रयास समाज के लिए प्रेरणादायक और सकारात्मक संदेश है। कलेक्टर ने कहा कि विद्या की सफलता उनकी मेहनत, लगन और लक्ष्य के प्रति समर्पण का परिणाम है। शासन द्वारा प्रदान की गई प्रोत्साहन राशि उनकी उपलब्धि को सम्मान देने के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए भी प्रेरणा का माध्यम बनेगी। उन्होंने विद्या को निरंतर प्रयास कर और ऊंचा मुकाम हासिल करने प्रोत्साहित किया। एसएसपी ने कहा कि विद्या की उपलब्धि न केवल उनके परिवार के लिए गर्व का विषय है, बल्कि जिले के उन युवाओं के लिए भी प्रेरणा है, जो प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से अपने भविष्य को नई दिशा देने का सपना देख रहे हैं। विद्या ने अपनी मेहनत से यह साबित किया है कि लक्ष्य के प्रति समर्पण और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने वाला व्यक्ति निश्चित रूप से सफलता हासिल कर सकता है। विद्या साहू ने कहा कि शासन की क्षितिज अपार संभावनाएं अंतर्गत दिव्यांग सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के आत्मविश्वास को बढ़ाने और उन्हें अपने लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं। उन्होंने कहा कि 'सीजी पीएससी जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में चयन मेरा सपना था, जिसे मैंने कड़ी मेहनत, निरंतर प्रयास और दृढ़ संकल्प के साथ पूरा किया। यह मेरा छठा प्रयास था। इससे पहले भी मैं साक्षात्कार तक पहुंच चुकी थी, लेकिन इस बार सफलता हासिल करने में सफल रही। चयन के बाद शासन द्वारा प्रदान की गई 01 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि मेरे लिए बेहद उत्साहवर्धक है।' उन्होंने कहा कि 'दिव्यांगता कभी भी लक्ष्य प्राप्ति की राह में अंतिम बाधा नहीं बन सकती। जीवन में चुनौतियां आती हैं, लेकिन हर चुनौती के साथ समाधान का रास्ता भी होता है। आवश्यकता है कि हम अपने लक्ष्य पर विश्वास रखें, निरंतर प्रयास करें और कभी हार न मानें।' उन्होंने इस प्रोत्साहन एवं सम्मान के लिए छत्तीसगढ़ शासन, जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। विद्या ने बताया कि वे लोरमी क्षेत्र के ग्राम तेलीखाम्ही की निवासी हैं और किसान परिवार से आती हैं। उनके पिता श्री सुदर्शन साहू किसान हैं तथा माता श्रीमती सरोजनी साहू हैं। परिवार में उनके दो भाई जितेन्द्र एवं भोलाराम भी हैं। उन्होंने बताया कि परिवार की परिस्थितियां सामान्य होने के बावजूद माता-पिता ने हमेशा शिक्षा के महत्व को समझते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। परिवार के सहयोग, आत्मविश्वास और लगातार मेहनत ने उन्हें अपने लक्ष्य तक पहुंचने की ताकत दी। इस अवसर पर उप संचालक समाज कल्याण श्री नदीम काजी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा